RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 निर्देशक ने ट्विंकल से मंदाकिनी...

वर्ष : 27 | अंक : 287 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 05 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

दार्जिलिंग में भारी बारिश से तबाही
भूस्खलन और पुल टूटने से सात से अधिक लोगों की मौत

कोलकाता (एजेंसी)। उत्तर बंगाल में लगातार भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। दार्जिलिंग जिले में हुए भूस्खलन और पुल टूटने की घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, मिरिक और सुखिया क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण तीन लोगों की मौत हुई है। इस हादसे के बाद दार्जिलिंग जिला पुलिस राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है। वहीं कालिम्पोंग में स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। लगातार बारिश से कई इलाकों का संपर्क टूट गया है और सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

पश्चिम बंगाल में भारी बारिश के कारण दुधिया में लोहे के पुल का एक हिस्सा ढह जाने के बाद सिलीगुड़ी-दार्जिलिंग एसएच-12 सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई है।

वहीं इस घटना पर भाजपा सांसद राजू बिस्ता ने दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों के कई हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश के कारण हुए भारी नुकसान के बारे में जानकर मुझे बेहद दुख हुआ है। मौतें हुई हैं, संपत्ति का नुकसान हुआ है और बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है। मैं स्थिति का जायजा ले रहा हूं और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हूं।

एक्स पर अपने पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा- हमने अपने भाजपा कार्यकर्ताओं को लोगों की मदद और सहायता के लिए जुटने का निर्देश पहले ही दे दिया है। हम अपने लोगों की मदद और सहायता के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। मैं अपने सभी गठबंधन सहयोगियों और क्षेत्र के अन्य राजनीतिक और सामाजिक संगठनों से भी समन्वय स्थापित करने की अपील करता हूं ताकि हम जरूरतमंद लोगों तक समय पर मदद और सहायता पहुंचा सकें।

आगरा दिल्ली हाईवे पर दर्दनाक हादसा चार की मौत, एक की हालत गंभीर

आगरा (एजेंसी)। आगरा के रुनकता में शनिवार रात 12 बजे तेज रफ्तार कैंटर आगे चल रहे कंटेनर से टकरा गया। हादसा इतना जबर्दस्त था कि कैंटर के केबिन का कुछ हिस्सा हाईवे पर गिर गया। इससे केबिन में बैठी महिला, एक पुरुष, चालक और पिछले हिस्से में सवार एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। केबिन से बाहर गिरने की वजह से एक युवक बच गया। सूचना पर पहुंचे परिजन उसे भरतपुर के अस्पताल ले गए। पुलिस के मुताबिक हादसे का कारण चालक का शराब पीकर वाहन चलाना बताया जा रहा है। हादसे के बाद कुछ देर के लिए जाम भी लग गया।

हादसा रुनकता फ्लाईओवर से उतरने के बाद हुआ। पुलिस ने बताया कि सिकंदरा की तरफ से एक कैंटर मथुरा की ओर जा रहा था। कैंटर में बांस-बल्लियां भरी हुई थीं। चालक ने स्पीड अधिक की। फ्लाईओवर पर आगे एक ट्रक चल रहा था। यहीं पर लोहरे का पंक्चर की दुकान है। इसी के पास कैंटर आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा घुसा। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि कैंटर के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। वह टूटकर अलग गया। घायल एक सवारी ने एसएन इमरजेंसी में दम तोड़ दिया। पांचवें व्यक्ति का इलाज कराया गया। सूचना पर उनके परिजन आ गए। उन्हें भरतपुर के अस्पताल में ले गए।

एसीपी हरीपर्वत अक्षय संजय महाडिक ने बताया कि महिला व पुरुष मथुरा जा रहे थे। वहीं चालक और एक किशोर की पहचान नहीं हो सकी है। उधर, घायल युवक की पहचान उपेंद्र निवासी भरतपुर के रूप में हुई है। वह गुरुग्राम जा रहा था। ग्वालियर से परीक्षा देकर लौट रहा था। उसके परिजन आ गए। उन्हें भरतपुर के अस्पताल में ले गए हैं।

वहीं मृतकों में शामिल एक किशोर कैंटर के पिछले हिस्से में सवार थे। टक्कर से उसके सिर में बल्लियां लगने से मृत्यु हो गई। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। रात दो बजे पुलिस ने कंटेनर को पकड़ लिया। वहीं कैंटर को चौकी पर खड़ा कर दिया गया।

उपमुख्यमंत्री ने किया 'संचारी रोग' अभियान का शुभारंभ

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने आज राजधानी लखनऊ में 'विशेष संचारी रोग अभियान' का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस सीजन में मच्छर जनित बीमारियों में तेजी आती है, लेकिन सरकार के प्रयासों से इन पर नियंत्रण पाने में सफलता मिल रही है।

उन्होंने बताया कि इस अभियान में बड़ी संख्या में स्वास्थ्यकर्मी जुड़ रहे हैं। मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और फाइलेरिया जैसी बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने अभियान में जुड़े सभी कर्मियों को धन्यवाद देते हुए इसे सफल बनाने की अपील की।

बरेली हिंसा के बाद प्रशासन का सख्त एक्शन
आईएमसी नेता के बारातघर पर चला बुलडोजर

बरेली (एजेंसी)। 26 सितंबर को हुए बरेली बवाल के बाद जिला प्रशासन लगातार एक्शन मोड में है। आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के करीबियों पर शिकंजा कसना जारी है। शनिवार को बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने किला क्षेत्र में आईएमसी के राष्ट्रीय महासचिव नफीस खान के बारातघर पर बुलडोजर चलाया था। रविवार को बारातघर के बचे हुए हिस्से को भी ध्वस्त किया जा रहा है।

इससे पहले शनिवार को दो पूर्व जिलाध्यक्षों के एक मकान

और चार दुकानों को सील किया गया था। रविवार सुबह से दो बुलडोजर मौके पर अवैध निर्माणों को गिराने में जुटे हैं। कुछ मजदूर भी तोड़फोड़ कार्य में लगे हैं। इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जिन संपत्तियों पर कार्रवाई की जा रही है, वे अवैध रूप से निर्मित हैं। पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम यह सुनिश्चित कर रही है कि किसी भी स्थिति में कानून-व्यवस्था न बिगड़े।

अमृतसर से बर्मिंघम जा रही एअर इंडिया की उड़ान की इमरजेंसी लैंडिंग

अमृतसर/बर्मिंघम (एजेंसी)। एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 117, जो 4 अक्तूबर को अमृतसर से बर्मिंघम जा रही थी, में लैंडिंग के समय तकनीकी गड़बड़ी सामने आई। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि उड़ान के दौरान रैम एअर टरबाइन (आरएटी) का खुलना देखा गया। जिसके बाद एहतियातन विमान की लैंडिंग कराई गई और सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारने के बाद विमान को जांच के लिए भेज दिया गया है।

आरएटी एक सुरक्षा उपकरण है, जो तब सक्रिय होता है जब विमान की मुख्य बिजली और हाइड्रोलिक सिस्टम में किसी तरह की समस्या आ सकती है। इलेक्ट्रिकल फेलियर, हाइड्रॉलिक सिस्टम फेलियर और दोनों इंजन फेल होने पर ये प्लेन के निचले हिस्से से बाहर निकल आता है। जबकि ऐसी स्थिति में ये रेडियो समेत फ्लाइट के जरूरी कंट्रोल्स को चालू रखने का काम करता है। हालांकि इससे विमान ऊपर नहीं जा सकता है, इसे एक छोटे प्रोपेलर की तरह माना जाता है। हालांकि, इस घटना के दौरान सभी बिजली और हाइड्रोलिक सिस्टम सामान्य पाए गए, और विमान की बर्मिंघम हवाई अड्डे पर लैंडिंग कराई गई।

वहीं इस घटना को लेकर एअर इंडिया ने कहा कि तकनीकी जांच के लिए विमान को जांच के लिए ग्राउंड कर दिया गया है। इसके कारण, उसी दिन बर्मिंघम से दिल्ली के लिए निर्धारित एआई114 फ्लाइट रद्द कर दी गई है।

एयरलाइन ने यात्रियों के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि उन्हें अन्य उड़ानों से यात्रा कराई जा सके। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने यात्रियों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि उनकी सुरक्षा और सुविधा एअरलाइन की प्राथमिकता है।

भारी बारिश की चेतावनी के बीच 7 अक्तूबर तक नहीं हो सकेगा माता वैष्णो देवी के दर्शन

कटरा (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार खराब मौसम और भूस्खलन की आशंका के बीच माता वैष्णो देवी यात्रा को तीन दिनों के लिए अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने 5 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक यात्रा रोकने का निर्णय लिया है।

श्राइन बोर्ड के सीईओ सचिन कुमार वैश्य ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए भारी बारिश और भूस्खलन की चेतावनी जारी की है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है।

पिछले कुछ दिनों में कटरा से भवन तक जाने वाले मार्ग पर कई जगह चट्टानें खिसकने और पानी भरने की घटनाएं सामने आई थीं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बोर्ड ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस अवधि में यात्रा की योजना न बनाएं और मौसम सामान्य होने के बाद ही दर्शन के लिए आएं।

श्राइन बोर्ड ने बताया कि यात्रा स्थगित रहने के दौरान रास्तों की सफाई, मरम्मत और सुरक्षा इंतजामों को और मजबूत किया जाएगा, ताकि मौसम सामान्य होते ही यात्रा को सुचारू रूप से फिर से शुरू किया जा सके।

कफ सिरप कांड : अब तक 14 बच्चों की मौत, कंपनी पर केस दर्ज
ज्यादातर बच्चों को डॉक्टर प्रवीण सोनी ने लिखी थी दवा, गिरफ्तार

मध्य प्रदेश (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कफ सिरप से अब तक 14 बच्चों की मौत के बाद हड़कंप मचा हुआ है। बच्चों की मौत का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। छिंदवाड़ा के परासिया उपखंड में 7 सितंबर से अब तक दस बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि जिले भर में मृतक बच्चों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। जांच में कोल्ड्रिफ कफ सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा अधिक होने की पुष्टि के बाद सरकार और प्रशासन अलर्ट मोड में हैं। शनिवार देर रात पुलिस ने कफ सिरप लिखने वाले डॉक्टर प्रवीण सोनी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी में सामने आया है कि छिंदवाड़ा में हुई बच्चों की मौत मामले में ज्यादातर बच्चों को डॉक्टर प्रवीण सोनी ने ही ये कफ सिरप लिखी थी। परासिया सीएचसी के BMO अंकित सहलाम ने डॉक्टर प्रवीण सोनी के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया था। जांच में सामने आया है कि इस सिरप में खतरनाक जहरीला रसायन मौजूद था। कोल्ड्रिफ सिरप में 46.2 फीसदी डायएथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया।

कैसे बनी मौत की वजह?

सितंबर में छिंदवाड़ा के परासिया और आसपास के इलाकों में बच्चे सर्दी-खांसी के इलाज के बाद गंभीर हालत में पहुंचने लगे। बुखार, उल्टी और पेशाब रुकने जैसे लक्षण दिखे। शुरुआत में 6 बच्चों की मौत हुई, जो बढ़कर 11 तक पहुंच गई। जांच में खुलासा हुआ कि डॉ. प्रवीण सोनी ने इन बच्चों को कोल्ड्रिफ सिरप प्रिस्क्राइब किया था। बायोप्सी और लैब टेस्ट में छ्श्वत्र की मौजूदगी ने सनसनी फैला दी। राजस्थान में भी इस सिरप से 1-2 बच्चों की मौत की खबरें सामने आई हैं।

कफ सिरप ने ली इन बच्चों की जान

नाम	उम्र	पता
दिव्यांश चंद्रवंशी	7 वर्ष	डुङ्गी
अदनान खान	5 वर्ष	न्यूटन चिखली
हेतांश सोनी	5 वर्ष	उमरेठ
उसैद	4 वर्ष	परासिया
श्रेया यादव	18 माह	परासिया
विकास यदुवंशी	4 वर्ष	दीघावानी
योगिता विश्वकर्मा	5 वर्ष	बोरिया
संध्या भोसोम	....	परासिया
चंचलेश यदुवंशी	--	गायगोहान
योजिता ढाकरे	दो साल	बडकुही

इनके अलावा चार अन्य बच्चों की भी मौत हुई है।

नोएडा पुलिस में 'मिशन शक्ति 5' के तहत महिला कर्मियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नोएडा। 'मिशन शक्ति 5' के तहत महिला पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर की जांच, रोकथाम और उपचार से जुड़ी महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

कार्यक्रम के दौरान चिकित्सक विशेषज्ञों ने कैंसर के शुरुआती लक्षणों, समय पर जांच के महत्व और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के तरीकों पर विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि नियमित स्वास्थ्य जांच और जागरूकता ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

नोएडा पुलिस की ओर से कहा गया कि महिला कर्मियों का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इस तरह की पहलें उन्हें जागरूक व सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम हैं।

20 थीम पार्कों का होगा सुंदरीकरण, फव्वारे-झूले सहित मिलेंगी सुविधाएं

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सम्राट मिहिर भोज सिटी पार्क समेत शहर के बीस थीम पार्क जल्द ही बदले रंगरूप में नजर आएंगे। पार्कों में सजावटी लाइट, फव्वारे, झूले व मूर्ति दिखाई देंगी। लैंडस्केपिंग भी की जाएगी। पार्कों के सौंदर्यीकरण के लिए 27 कंपनियों ने प्रस्तुतिकरण दिया है। कंपनी चयन के बाद पार्कों के सौंदर्यकरण का काम शुरू हो जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में सम्राट मिहिर भोज पार्क को मुख्य पार्क के तौर पर विकसित किया गया है। इसमें प्रवेश के लिए प्राधिकरण ने टिकट व्यवस्था लागू की है। लेकिन वर्षों बाद भी सिटी पार्क में कोई बदलाव नहीं आया है। इससे लोगों के बीच पार्क का आकर्षण कम हो रहा है। थीम पार्कों की स्थिति में भी कोई बदलाव नहीं होने से आकर्षण कम हो रहा है। पार्कों की स्थिति खराब हो रही है। प्राधिकरण ने पार्कों को नए सिरे से संवारने के लिए विशेषज्ञ कंपनियों से प्रस्ताव मांगे थे। इसके लिए 27 कंपनियां आगे आई हैं। चयनित कंपनियां पार्कों को संवारने के अलावा वर्षा जल संचयन की भी व्यवस्था करेंगी। अगले एक से दो माह में काम शुरू होने की उम्मीद है। प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस का कहना है कि पार्कों के सौंदर्यकरण के लिए विशेषज्ञों कंपनियों को सूचीबद्ध किया जा रहा है। उनकी सलाह व सुझाव के आधार पर निविदा जारी कर कार्य कराए जाएंगे।

इन सेक्टरों में संवारे जाएंगे पार्क

सम्राट मिहिर भोज सिटी पार्क के अलावा शहर के अल्फा एक व दो, बीटा एक व दो, गामा एक व दो समेत डेल्टा, सेक्टर 36, ओमेगा, स्वर्ण नगरी, सेक्टर पी थ्री आदि के थीम पार्कों का सौंदर्य करण किया जाएगा। प्रथम चरण में 21 थीम पार्क चिह्नित किए गए हैं। पार्कों में घास,पौधरोपण, मूर्तियां, पाथवे, हट, ओपन जिम, गार्डन बेंच, झूले, सजावटी लाइट व फव्वारे लगाए जाएंगे।

मौत का सिरप

जीवन रक्षा के लिये दी जाने वाली दवा मौत का कारण बन जाए। जो दवा की संदिग्ध गुणवत्ता और निर्माता कंपनियों की आपराधिक लापरवाही को ही उजागर करती है। जाहिर है रसायनों की घातकता की मात्रा और गुणवत्ता में कोई खोट इस तरह के हादसों का सबब बना होगा। राजस्थान में कुछ बच्चों की मौत की वजह का संबंध उस सिरप से बताया जा रहा है, जो खांसी ठीक करने के लिये दिया गया। ये हादसे इस बात को रेखांकित करते हैं कि दवा की गुणवत्ता में चूक सामान्य उपचार को कितने जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। बताया जाता है कि बच्चों को कथित रूप से मुख्यमंत्री की मुफ्त दवा योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में एक जेनेरिक खांसी की सिरप दी गई थी। जबकि इस मामले में जांच चल रही है, यह त्रासदी भारत की फार्मास्यूटिकल निगरानी तंत्र की कोताही ही उजागर करती है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश की 655 फार्मास्यूटिकल इकाइयों में से केवल 122 ही जीएमपी यानी गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के संशोधित शेड्यूल एम मानकों के तहत अपग्रेड करने के लिये पंजीकृत हैं। इसका मतलब यह है कि अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि फार्मास्यूटिकल इकाइयों को अपग्रेड करने की समय सीमा कई बार बढ़ाई गई है। यह नियामक तंत्र की कमजोरियों और छोटी फर्मों में सुरक्षित प्रक्रियाओं में निवेश करने की अनिच्छा को ही उजागर करती है। यह विडंबना ही है कि हमारा तंत्र जन-स्वास्थ्य के खिलवाड़ के प्रति उदासीन बना हुआ है। निस्संदेह, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनके लिये यह बहस कोई सांत्वना नहीं है। उन्हें सही मायनों में सांत्वना तभी मिलेगी जब आपराधिक लापरवाही करने वालों को दंडित किया जाएगा। विडंबना यह है कि अतीत में भी ऐसी कई त्रासदियां हुई हैं, लेकिन हमारे तंत्र ने इससे कोई सबक नहीं सीखा। हालांकि शुक्रवार को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां नहीं दी जाएं। वर्ष 2020 में भी एक ऐसी त्रासदी सामने आई थी, लेकिन कुछ दिन के शोर के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विडंबना देखिए कि मृत बच्चों के परिजन आज भी न्याय की प्रतीक्षा में आंसू बहा रहे हैं। हकीकत यह है कि ऐसी मौतों की जिम्मेदारी तय करने में लगातार देरी होती रहती है। ऐसे हादसों को या तो कमतर दर्शाया जाता है या फिर पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि विगत में भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी ही शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा था। भारत की फार्मा कंपनियों के द्वारा तैयार सिरप से गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत का लिंक पाए जाने के बाद भारतीय दवाओं पर प्रतिबंध लगाए गए थे। निस्संदेह, ऐसे गैर-जिम्मेदार तरीके से तैयार दवाइयों के चलते भारत की 'विश्व की फार्मेसी' के रूप में हासिल प्रतिष्ठा को ही नुकसान पहुंचा है। हमारे नियामक तंत्र को और कितने बच्चों के मरने का इंतजार है.. जरूरी है इससे पहले गुणवत्ता नियंत्रण सिर्फ कागज पर नहीं व्यवहार में लागू करने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने दवाइयों के गुणवत्ता मानकों को तय करने के लिए सख्त तरीके जीएमपी अनुपालन हेतु समय-समय पर निरीक्षणों के लिये कदम उठाए हैं। लेकिन प्रवर्तन के स्तर पर अभी भी तमाम खामियां बरकरार हैं। विडंबना यह है कि राज्य नियामकों के पास पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। साथ ही अकसर दंड के प्रावधान प्रभावी नहीं होते। यह एक कटु सत्य है कि भारत की फार्मा सफलता की कहानी केवल सस्ती जेनेरिक दवाइयों पर आधारित नहीं रह सकती। हमें इसे विश्वसनीय बनाने की जरूरत है। इसके लिए मजबूत ऑडिट, लापरवाही के लिए आपराधिक जिम्मेदारी तय हो और मामलों में पीड़ितों को तीव्र न्याय मिलना चाहिए। अन्यथा, ऐसी हर त्रासदी जन-विश्वास को कमजोर करती है- जो किसी भी दवा में सबसे महत्वपूर्ण घटक है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि रात्रि का प्रवेश होते ही (संध्या के समय) मुनि ने आज्ञा दी, तब सबने संध्यावंदन किया। फिर प्राचीन कथाएँ तथा इतिहास कहते-कहते सुंदर रात्रि दो पहर बीत गई॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

मुनिबर सयन कीन्हि तब जाई। लगे चरन चापन दोउ भाई॥
जिन्ह के चरन सरोरुह लागी। करत बिबिध जप जोग बिरागी॥

तब श्रेष्ठ मुनि ने जाकर शयन किया। दोनों भाई उनके चरण दबाने लगे, जिनके चरण कमलों के (दर्शन एवं स्पर्श के) लिए वैराग्यवान पुरुष भी भाँति-भाँति के जप और योग करते हैं॥

तेइ दोउ बंधु प्रेम जनु जीते। गुर पद कमल पलोटत प्रीते॥
बार बार मुनि अग्या दीन्ही। रघुबर जाइ सयन तब कीन्ही॥

वे ही दोनों भाई मानो प्रेम से जीते हुए प्रेमपूर्वक गुरुजी के चरण कमलों को दबा रहे हैं। मुनि ने बार-बार आज्ञा दी, तब श्री रघुनाथजी ने जाकर शयन किया॥

चापत चरन लखनु उर लाएँ। सभय सप्रेम परम सचु पाएँ॥
पुनि पुनि प्रभु कह सोवहु ताता। पौढ़े धरि उर पद जलजाता॥

भावार्थ-श्री रामजी के चरणों को हृदय से लगाकर भय और प्रेम सहित परम सुख का अनुभव करते हुए लक्ष्मणजी उनको दबा रहे हैं। प्रभु श्री रामचन्द्रजी ने बार-बार कहा- हे तात! (अब) सो जाओ। तब वे उन चरण कमलों को हृदय में धरकर लेटे रहे॥

(क्रमशः..)

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की 'स्वदेशी अपनाओ' और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 'अंत्योदय' की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।

सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की सम्पूर्णता का उद्घोष केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है- स्वावलम्बी एवं स्वदेशी भावना को बदल देना, नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

विदेशी टूर, जनता को टुल्लू

सल्तनत में कर्ज का पहाड़ खड़ा है। कर्मचारियों का वेतन टल-टलकर ऐसे मिलता है जैसे मुहल्ले का किरायेदार हर महीने टालमटोल करता है। अस्पतालों में दवा नहीं, डॉक्टर नहीं, उपकरण नहीं, स्कूलों में अध्यापक नहीं, और सडक़ों पर गड्ढे ही गड्ढे। जनता की हालत ऐसी कि खुद सोचती है कि आखिर सरकार किस ग्रह पर रहती है। लेकिन सरकार के मंत्री, नेता और आला अफसरान- उनके चेहरे पर शिकन तक नहीं। कारण? वे सब किसी 'गंभीर स्टडी' के लिए विदेश रवाना होने की तैयारी में हैं। जी हां, आपने सही पढ़ा- स्टडी टूर! अब यह मत पूछिए कि स्टडी किस चीज की? सडक़ें कैसे बनती हैं, यह जानने के लिए स्विट्जरलैंड। पीने का पानी कैसे शुद्ध होता है, यह देखने के लिए सिंगापुर। और कचरा कैसे उठता है, यह देखने के लिए टोक्यो। जनता पूछे कि भाई, इतनी पढ़ाई तो हमारे बच्चे ने भी कर रखी है गूगल पर बैठे-बैठे। मगर नहीं, साहब लोग कहते हैं- 'हम तो विदेश जाकर अपनी आंखों से देखेंगे। और फिर लौटकर सल्तनत का कायाकल्प करेंगे।' अब तक जितने भी 'विदेशी कायाकल्प दल' गए, उनका कायाकल्प तो हो गया, पेट निकल आया, चेहरा चमक गया, भाषण में अंग्रेजी झलकने लगी। लेकिन प्रदेश का कायाकल्प वहीं का वहीं। सबसे मजेदार दृश्य होता है जब स्टडी टूर पर मंत्री जी अपनी धर्मपत्नी, जीजा जी, साले साहब और पड़ोसी के बेटे तक को घसीट ले जाते हैं। कारण- 'ये सब भी तो विकास में योगदान देंगे।' पिछले दिनों एक विभाग का टूर गया था- दल में शामिल थे = मंत्री जी की पत्नी (गृहस्थी विभाग), भतीजी (सेल्फी विभाग), ड्राइवर का बेटा (शॉपिंग विभाग) और एक स्थानीय गायक (मनोरंजन विभाग)। स्टडी किसकी हुई? विदेशी शॉपिंग मॉल की सेल का गहन अध्ययन। सल्तनत की जनता टैक्स भरती है।

सोचती है कि शायद सडक़ बनेगी, अस्पताल सुधरेंगे, बिजली आएगी। लेकिन टैक्स का पैसा बड़ी मेहनत से ट्रैवल एजेंसियों, एयरलाइंस और फाइव स्टार होटलों तक पहुंचता है। जनता के हिस्से में क्या आता है? वही, बाबा जी का ठुल्लू। कई बार तो हालत ऐसी हुई कि जिस विषय पर स्टडी टूर जा रहा है, उस विषय का एक सदस्य तक को ज्ञान नहीं। जैसे- पानी आपूर्ति विभाग का दौरा हुआ था। दल में शामिल थे एक मछली मंत्री, दो एमएलए, और एक सहायक जो कभी कुआं तक नहीं देखा। विदेश जाकर सबने वाटर पार्क देख लिया और लौटते ही प्रदेश में घोषणा की- 'हमने पानी की समस्या का स्थायी हल खोज लिया है।' जनता पूछे, 'कौनसा हल?' जवाब, 'विदेश में भी पानी महंगा है, तो आप भी सहन करिए।' इन दौरों के बाद सबसे मनोरंजक कार्यक्रम होता है- वापसी पर प्रेस कॉन्फ्रेंस। मंत्री जी पूरे आत्मविश्वास से कहते हैं- 'हमने विदेश में देखा कि वहां सडक़ें कितनी साफ हैं, लोग कितने अनुशासित हैं, और अस्पताल कितने आधुनिक हैं। हम भी ऐसा ही करेंगे।' जनता पूछती है- 'कब करेंगे?' मंत्री जी मुस्कुराकर कहते हैं- 'जल्दी करेंगे, बहुत जल्दी। अगले दौरे के बाद।' सच यह है कि इन टूर का असली एजेंडा तीन शब्दों में सिमटा हुआ है- सैर, शॉपिंग और सेल्फी।

नेता जी और अफसरान स्टडी तो करते हैं, मगर किसकी? पेरिस के एफिल टॉवर के सामने किस एंगल से फोटो बेहतर आती है। दुबई के मॉल में कौनसा परफ्यूम सबसे टिकाऊ है। और बैंकॉक में कौनसा स्पा सबसे आरामदायक है। सल्तनत के विकास की फाइल वहीं पड़ी रहती है, लेकिन नेता जी का इंस्टाग्राम अकाउंट जरूर चमक उठता है। जनता हर बार उम्मीद बांधती है- शायद इस बार टूर से कुछ सीख लेकर आएंगे। लेकिन लौटकर वही पुराने वादे, वही घिसे-पिटे भाषण। जनता सोचती है- 'काश, कोई ऐसा टूर भी होता जिसमें ये लोग जनता की गली-मोहल्लों का अध्ययन कर आते। अस्पताल में लाइन में लगते, स्कूल में बच्चों संग बैठते, बिजली कटौती में पंखा झेलते।' पर अफसोस, ऐसे टूर पर न तो विदेश मिलता है, न फाइव स्टार होटल, न शॉपिंग। अंत में यही निष्कर्ष निकलता है कि सल्तनत चाहे कर्ज में डूबी रहे, जनता चाहे परेशान हो, साहब लोगों के लिए विदेशी स्टडी टूर हमेशा जारी रहेंगे। आखिर, यह भी तो एक तरह की लोक सेवा है। सेवा जनता की, खर्च जनता का, मौज-मस्ती साहब लोगों की। बाकी जनता जी के हिस्से में- बाबा जी का ठुल्लू ही सही।

-गुरमीत बेदी

राशिफल

अश्विन माह, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
औषधि इत्यादि में खर्च की अधिकता रहेगी। अनाब-सनाब खर्चे होंगें। सर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पैतृक संपत्ति को लेकर के विवाद हो सकता है। कोर्ट-कचहरी में नुकसान संभव है। व्यावसायिक स्थिति मध्यम रहेगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
यात्रा का अभी प्रोग्राम न बनाएं। कष्ट हो सकता है। अपमानित होने का भय रहेगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। कोई रिस्क न लें। वाहन धीरे चलाएं। तबीयत पर ध्यान रखें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। कोई बड़ी नोक-झोक से बचें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
डिस्टर्बिंग फेस है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान लगभग ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
तुला राशि की स्थिति ठीक-ठाक कही जाएगी। लेकिन शत्रु नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
संतान को लेकर के, जो लोग प्रेम में हैं वो लोग अपने प्रेम को लेकर के, विद्यार्थीगण अपनी पढ़ाई को लेकर के अच्छा फील नहीं करेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
गृह कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में खलल पड़ सकता है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति में नकारात्मक स्थिति देखकर के मन खराब रहेगा। नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
धन हानि के संकेत हैं। जुबान पर काबू रखें और अभी रुपये-पैसे किसी को न दें। या कहीं निवेश न करें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। निकटता होने के बाद भी दूरी का अहसास होगा।

श्रीराम कथा में शिव-पार्वती विवाह और नारद मोह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन

श्रीराम कथा हमें जीवन जीना सिखाती है : स्वामी पंचमानंद

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-82 के पॉकेट-12 में चल रही श्रीराम कथा के दूसरे दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने भक्तों को शिव-पार्वती विवाह और नारद मोह प्रसंग का मार्मिक और रोचक वर्णन सुनाया। कथा सुनने पहुंचे सैकड़ों भक्त भक्ति भाव में सराबोर हो गए।

स्वामी पंचमानंद ने बताया कि हिमालयराज की पुत्री पार्वती जी बचपन से ही भगवान शिव को अपना पति मानने का संकल्प लेती हैं। जब वे युवावस्था में पहुंचती हैं, तो देवता भी शिवजी से विवाह के लिए अनुरोध करते हैं, लेकिन भगवान शिव राजी नहीं होते। इसके बाद माता पार्वती कठिन तपस्या करती हैं, जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव विवाह के लिए तैयार हो जाते हैं।

उन्होंने बताया कि शिव बारात में देवता, भूत-पिशाच तक शामिल होते हैं। शिवजी भस्म से लिपटे, सर्प धारण किए, बारात लेकर हिमालयराज के महल

पहुंचते हैं। बारात का स्वरूप देखकर माता मैना भयभीत हो जाती हैं और विवाह से मना कर देती हैं। तब सभी देवगण समझाते हैं कि भगवान शिव कोई साधारण देव नहीं, बल्कि देवों के देव महादेव हैं। अंततः माता पार्वती और भगवान शिव का दिव्य विवाह संपन्न होता है, और स्वर्गलोक से देवता पुष्पवर्षा करते हैं। स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने कहा कि शिव जी पर बिल्वपत्र अर्पित करने से भगवान शीघ्र प्रसन्न होते हैं। श्रीराम कथा न केवल भक्ति का माध्यम है, बल्कि यह हमें जीवन जीने की कला भी सिखाती है। कथा प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक आयोजित की जा रही है। कथा में कल नारद मोह प्रसंग और भगवान श्रीराम जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, प्रणव साहू, विनय त्रिवेदी, चंद्रकांत शर्मा, अरविंद परिहार, सुशील शर्मा, दिलीप कुमार दूबे, कृष्णा दूबे, मनीष मिश्रा, धर्मेंद्र सिंह, विश्वनाथ चौरसिया, शिव कुमार पाठक, बृज तिवारी, महेंद्र शर्मा, अंकित शर्मा, जेपी मिश्रा, रवि राघव, गोरेलाल, संजय पांडे, दिनेश पाठक, हरि सिंह, रमेश दास, अंगद सिंह तोमर, सर्वेश तिवारी, विकास शर्मा, राजवीर सिंह, प्रमोद दीक्षित, अशोक गोला, प्रवेश सिंह, चंदन पांडेय, विकास कुमार तिवारी, अनिल चौधरी, सी.एल. तिवारी, मुकेश शुक्ला, राजेश गुप्ता, रंजन गिरि, अंकित उपाध्याय, कृपाल यादव, सतवीर यादव, विजय सचान, सुधीर श्रीवास्तव, मनोज कुमार, मनोज तिवारी, कुलदीप, महाले, धर्मेंद्र शर्मा, सुमित ओझा, अजय राज तिवारी समेत बड़ी संख्या में सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

सोसाइटी में कार के प्रवेश पर बवाल महिला ने सुरक्षाकर्मी को जड़े थप्पड़

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित आम्रपाली गोल्फ होम्स एंड किंग्सवुड सोसायटी में शुक्रवार की रात सुरक्षाकर्मी और निवासियों के बीच जमकर मारपीट हुई। निकास द्वार से कार को प्रवेश करने से रोका तो महिला से सुरक्षाकर्मी को थप्पड़ जड़ तिया। सुरक्षाकर्मी की ओर से कार सवारों के साथ इसके बाद बदसलूकी हुई।

सोसायटी के किरायेदार वाले इंटरनेट मीडिया ग्रुप पर घटना प्रसारित हुई। दर्जनों किरायेदार गेट पर पहुंच गए। दोनों ओर से जमकर मारपीट और धक्का-मुक्की हुई। महिला ने भी बदसलूकी करने का आरोप लगाया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

बिसरख थाना पुलिस के मुताबिक अर्जुन और अभिषेक किराये के फ्लैट में रहते हैं। शुक्रवार रात करीब 10 बजे दोनों अपनी कार से सोसायटी में निकास द्वार से अंदर प्रवेश कर रहे थे। सोसाइटी के गार्ड गौतम सिंह निवासी कानपुर देहात व सत्यम शुक्ला निवासी हरदोई ने उन्हें निकास द्वार से अंदर जाने को लेकर रोका दिया गया।

आरोप है कि इसी बात को लेकर पहले दोनों पक्षों के मध्य मारपीट हो गई थी। निवासियों ने एक गार्ड को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद गार्डों ने लाठी और डंडे से निवासियों की पिटाई कर दी। निवासियों के साथ मौजूद महिला जब बीच बचाव को आई तो उसके साथ भी अभद्रता की गई।

सूचना के बाद पुलिस भी पहुंची और विवाद को शांत कराने की कोशिश की। घटना से संबंधित वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ। प्रसारित वीडियो में कि सुरक्षाकर्मी और निवासी लड़ते नजर आ रहे हैं। वहां मौजूद पुलिसकर्मी स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गेट पर सुरक्षाकर्मी के रोकने पर कार सवार उनसे झगड़ने लगे। कुछ देर में एक महिला वहां आई। महिला ने गार्ड को थप्पड़ मारा। उसके बाद विवाद शुरू हुआ। सोसायटी में दर्जनों किरायेदार मौके पर पहुंचे। डायल 112 से मौके से पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पुलिस पहुंची।

दोनों पक्ष पुलिस के सामने भी एक दूसरे से भिड़ते नजर आए। कोतवाली प्रभारी मनोज सिंह का कहना है कि विवाद उल्टी दिशा से सोसायटी में प्रवेश को लेकर हुआ था। प्रथम पक्ष से अर्जुन व अभिषेक व द्वितीय पक्ष से गौतम सिंह व सत्यम शुक्ला को गिरफ्तार करते हुए कोर्ट में पेश किया गया। जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया है।

सोसायटी के एओए अध्यक्ष राघवेंद्र यादव ने बताया कि एक अक्टूबर से एओए को अकाउंट के अधिकार मिले हैं। सुरक्षा एजेंसी को बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अभी पूरी जिम्मेदारी एनबीसीसी की है। निकास द्वार से प्रवेश करने पर कार सवारों ने सबसे पहले बदसलूकी की थी। महिला की ओर से गार्ड को थप्पड जड़ा गया था।

डॉ. मोहिब हमीदी को मिला 'सर्जिकल एक्सीलेंस एंड इनोवेशन अवार्ड

इंडिया हेल्थ समिट एंड अवार्ड्स 2025 में मिला सम्मान

ग्रेटर नोएडा। भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए यथार्थ हॉस्पिटल, ग्रेटर नोएडा की वरिष्ठ सर्जन डॉ. मोहिब हमीदी को 'सर्जिकल एक्सीलेंस एंड इनोवेशन अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें टाइम्स नेटवर्क द्वारा आयोजित इंडिया हेल्थ समिट एंड अवार्ड्स 2025 के दौरान प्रदान किया गया।

देशभर के चिकित्सा विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और हेल्थ टेक्नोलॉजी नवाचारकर्ताओं की उपस्थिति में आयोजित इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में डॉ. हमीदी को उनके उत्कृष्ट शल्य चिकित्सा कौशल और स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचारपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान यह उल्लेख किया गया कि भारत को वैश्विक हेल्थकेयर हब बनाने की दिशा में सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण, अनुसंधान और समानता आधारित नीति पर विशेष बल दिया जा रहा है। वर्तमान में भारत का स्वास्थ्य क्षेत्र 500 अरब डॉलर से अधिक मूल्य का है और यह देश की अर्थव्यवस्था तथा रोजगार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

डॉ. मोहिब हमीदी ने कहा कि यह सम्मान सिर्फ मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि पूरी मेडिकल टीम और यथार्थ हॉस्पिटल परिवार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य मरीजों को सर्वोत्तम, सुरक्षित और नवीनतम तकनीक आधारित उपचार प्रदान करना है। गौरतलब है कि डॉ. हमीदी ने सर्जरी के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों का सफल उपयोग करते हुए कई जटिल ऑपरेशनों को सफल बनाया है। उनके कार्यों ने न केवल मरीजों का भरोसा बढ़ाया है, बल्कि चिकित्सा जगत में नई दिशा भी दिखाई है।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा शुद्धिकरण सूचना

ई-टेण्डरिंग खुली निविदा सूचना सं. 42/2025 दिनांक 09-09-2025 के अंतर्गत निविदा जो दिनांक 03-10-2025 को खोली जानी थी, उत्तर प्रदेश सरकार के जिला प्रशासन बरेली द्वारा बरेली परिक्षेत्र में दो दिनों के लिये नेट सेवा बन्द करने के कारण उक्त निविदा अब दिनांक 07-10-2025 को खोली जायेगी।

ई-निविदा का विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट पर *www.ireps.gov.in* पर देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.),
मुजाधि / डब्लू-279 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

संदिग्ध हालात में इंजीनियर की मौत

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस को सूचना मिली कि पत्नी पोस्टमॉर्टम कराए बगैर शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी में है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

फिलहाल पत्नी ने शराब पीने के बाद उल्टी आने पर तबीयत बिगड़ने से मौत होने की बात कह रही है। इंजीनियर के शरीर पर चोट के कोई निशान मौजूद नहीं हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट होगा। क्षेत्र की डी-502 पैरामाउंट सोसायटी में इंजीनियर आशीष गुप्ता (42) अपनी पत्नी दिशा गुप्ता के साथ किराये के फ्लैट में रहते थे। शुक्रवार शाम करीब 4:30 बजे मेंटेनेंस आफिस के रविंद्र ने पुलिस को सूचना दी कि आशीष की एकाएक तबीयत खराब होने के बाद मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पत्नी दिशा से पूछताछ की। दिशा ने बताया कि बृहस्पतिवार को दशहरा पर वह पति के साथ रामलीला देखने गई थी। घर लौटने पर खाना खाने के बाद आशीष की तबीयत बिगड़ गई थी। उल्टी आने से सांस लेने में परेशानी होने पर दवा दी। इसके बाद वह सो गए थे। अगली सुबह करीब 10 बजे घरेलू सहायिका चाय देने के लिए पहुंची तो वह बेहोश मिले।

पत्नी एंबुलेंस से एक प्राईवेट अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को सूचना मिली कि आशीष की पत्नी पोस्टमॉर्टम कराए बगैर पति के शव का अंतिम संस्कार करने जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया पूछताछ में पत्नी ने बताया कि अक्सर शराब पीकर उल्टी कर देते थे। घटना वाली रात भी ऐसा ही हुआ था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बहन अलका गुप्ता हैं, जो लंदन में रहती हैं। उनको घटना की सूचना दी गई है। आशीष गुप्ता मूलरूप से दिल्ली के पश्चिमी बिहार के पंजाबी बाग के रहने वाले हैं। उनके माता-पिता की कई साल पहले मौत हो गई थी। आशीष ने दिल्ली का मकान बेच दिया था।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

उत्तर मध्य रेलवे

टेन्डर नोटिस नं. 15/2025 दिनांक 01.10.2025

वरि. मं. सिग. एवं दूर.सं. इंजी., उत्तर मध्य रेलवे, आगरा भारत द्वारा राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली निविदा" केवल ऑनलाइन माध्यम द्वारा (ई-टेन्डरिंग) आमंत्रित की जाती है:

ई-निविदा सं.: आगरा-एसटी-2025-36	**कार्य की लागत:** Rs. 79,11,944.80

कार्य का नाम: "आगरा मंडल के स्टेशनों पर दोनों छोर पर उपकरण बॉक्स का प्रावधान" के संबंध में एस एंड टी कार्य।

निविदा बन्द दिनांक: 24.10.2025, निविदा की पूर्ण जानकारी एवं ऑनलाइन जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें। निविदाकार अपनी निविदा उपरोक्त वर्णित दिनांक को 15:00 बजे तक भारतीय रेलवे की वेबपोर्टल www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन जमा कर सकते है। इस निविदा के अन्तर्गत मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी एवं प्राप्त मैनुअल निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा। 1814/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

इजरायल-गाजा पीस डील के लिए PM मोदी ने की ट्रंप की सराहना

बोले- भारत करेगा सहयोग

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा में जारी शांति प्रयासों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व की सराहना की है। उन्होंने कहा कि गाजा में शांति प्रक्रिया निर्णायक दौर में है और बंधकों की रिहाई के संकेत एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, "हम गाजा में शांति प्रयासों में निर्णायक प्रगति के बीच राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व का स्वागत करते हैं। बंधकों की रिहाई के संकेत एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत टिकाऊ और न्यायसंगत शांति की दिशा में सभी प्रयासों का दृढ़ता से समर्थन करता रहेगा।" प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय गाजा में संघर्ष विराम और मानवीय राहत को लेकर सक्रिय है। भारत लगातार इस बात पर जोर देता रहा है कि इजरायल-फिलिस्तीन विवाद का समाधान संवाद और शांतिपूर्ण वार्ता के जरिए ही संभव है।

इससे पहले भी पीएम मोदी ने इस पहल के लिए ट्रंप की सराहना की थी। उन्होंने कहा था, ''हम गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक योजना का स्वागत करते हैं। यह फिलिस्तीनी और इजराइली लोगों के साथ-साथ पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करता है। हमें उम्मीद है कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रंप की पहल पर एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने तथा शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।'' आपको बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो टूक कहा है कि अगर हमास गाजा पट्टी के लिए प्रस्तावित शांति समझौते पर रविवार शाम छह बजे तक सहमत नहीं होता है, तो चरमपंथी समूह को और अधिक हमलों का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "हमास के साथ रविवार शाम छह बजे (वाशिंगटन डीसी के समयानुसार) तक समझौता हो जाना चाहिए।"

उन्होंने लिखा, "हर देश ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं! अगर समझौते के इस आखिरी मौके में सफलता नहीं मिलती है, तो हमास पर ऐसा कहर टूटेगा, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। पश्चिम एशिया में किसी न किसी तरह से शांति कायम की जाएगी।"

भारत में जासूसी के लिए कैसे काम करता है PAK उच्चायोग का वीजा डेस्क?

नई दिल्ली

हरियाणा के एक सिविल इंजीनियर वसीम अकरम की गिरफ्तारी ने भ्रष्टाचार और पाकिस्तान उच्चायोग के वीजा डेस्क का जासूसी के लिए दुरुपयोग करने के एक और मामले का पर्दाफाश किया है। हरियाणा के पलवल निवासी अकरम को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए) की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। सूत्रों ने बताया कि वह कथित तौर पर पाकिस्तान उच्चायोग के अधिकारी जफर उर्फ मुजम्मिल हुसैन के लिए डेटा सप्लायर के रूप में काम करता था। कसूर में अपने रिश्तेदारों से मिलने पाकिस्तान जाने के लिए वीजा के लिए आवेदन करते समय उसकी मुलाकात उच्चायोग के अधिकारी से हुई थी। शुरुआत में वीजा आवेदन को

अस्वीकार कर दिया गया था, लेकिन बाद में सिविल इंजीनियर द्वारा 20,000 रुपए की रिश्वत देने के बाद वीजा स्वीकृत हो गया। जांचकर्ताओं ने बताया कि इसके बाद अकरम मई 2022 में कसूर गया। पाकिस्तान उच्चायोग का अधिकारी जफर कथित तौर पर पाकिस्तान से लौटने के बाद व्हाट्सएप के जरिए अकरम के संपर्क में रहा। पलवल निवासी अकरम ने कमीशन का वादा करने के बाद वीजा सुविधा कोष के लिए अपना बैंक खाता उपलब्ध कराया। कथित तौर पर अकरम के खाते में लगभग पांच लाख ट्रांसफर किए गए और बिचौलियों के जरिए और भी नकद भुगतान किए गए। उसने कथित तौर पर उच्चायोग के अधिकारी को 2.3 लाख दिए, जिसमें 1.5 लाख नकद शामिल थे। उसने अधिकारी को सिम कार्ड भी दिए। अकरम पर ओटीपी उपलब्ध कराने और भारतीय सेना के जवानों की जानकारी अपने कथित हैंडलर के साथ साझा करने का भी आरोप है। जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि "पलवल मॉड्यूल" मलेरकोटला और नूह में पहले उजागर हुए उसी पैटर्न से मेल खाता है। मलेरकोटला मामले का भंडाफोड़ इस साल की शुरुआत में ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुआ था, जिसमें दानिश उर्फ एहसान उर रहीम नाम के एक अन्य पाकिस्तानी अधिकारी ने कथित तौर पर स्थानीय लोगों को वीजा दिलाने का वादा करके जासूसी के लिए उनका इस्तेमाल किया था।

ट्रंप के शांति प्रस्ताव की इजरायल ने उड़ाई धज्जियां

गाजा में एयरस्ट्राइक से मचाई भारी तबाही

नई दिल्ली

इजरायल-हमास युद्ध रोकने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खूब मशक्कत की। उन्होंने 20 सूत्री गाजा शांति प्रस्ताव पेश किया था। इसे हमास ने मंजूरी दी थी, लेकिन इजरायल ने एक बार फिर गाजा पर बमबाजी कर दी है। गाजा पर इस इजरायली एयरस्ट्राइक ने भयंकर तबाही मचाई है, जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हो गए। गाजा नागरिक सुरक्षा प्रवक्ता महमूद बस्सल ने बताया कि यह एक बेहद हिंसक रात थी जिस दौरान इजराइली सेना ने राष्ट्रपति ट्रंप के बमबारी रोकने के आह्वान के बावजूद गाजा शहर और पट्टी के अन्य इलाकों पर दर्जनों हवाई हमले और तोपखाने से गोलाबारी की। उन्होंने आगे बताया कि 20 घर तबाह हो गए। गाजा शहर के बैपटिस्ट अस्पताल ने तुफ्फाह इलाके में एक घर पर हुए हमले में हताहतों की सूचना दी है, जिसमें चार लोग मारे गए और कई घायल हुए हैं जबकि खान यूनिस स्थित नासिर अस्पताल ने बताया कि विस्थापित गाजावासियों के एक शिविर पर ड्रोन हमले में दो बच्चे मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए।

हैरानी की बात यह है कि दो साल से चले आ रहे इजरायल हमास युद्ध को खत्म करने के ट्रंप के प्रस्ताव को हमास की तरफ से स्वीकार कर लिया गया था। इस उग्रवादी समूह ने कहा कि वह ट्रंप की योजना के अनुरूप इज़राइली जेलों में बंद फ़िलिस्तीनी कैदियों के बदले सभी बंधकों को रिहा करेगा और गाजा पट्टी में शासन का अधिकार भी सौंप देगा। हालाकि उसने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह हथियार डालेगा या नहीं, जो सोमवार को पेश किए गए प्रस्ताव की एक प्रमुख मांग थी। इसके बाद ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हमास द्वारा हाल ही में जारी किए गए बयान के आधार पर मेरा मानना है कि वे स्थायी शांति के लिए तैयार हैं।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा अटैक

दो पैसेंजर ट्रेनों पर किया हमला, लग गई आग

कीव

रूस ने यूक्रेन पर बड़ा हमला करते हुए दो पैसेंजर ट्रेनों को निशाना बनाया है, जिसके बाद उनमें आग लग गई। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि शनिवार को एक यूक्रेनी रेलवे स्टेशन पर हुए रूसी ड्रोन हमले में दर्जनों लोग घायल हो गए। मॉस्को ने अपने व्यापक आक्रमण के बाद से चौथी सर्दियों से पहले यूक्रेन के रेल और बिजली ग्रिड पर हमले तेज कर दिए हैं। जेलेंस्की ने कीव के उत्तर-पूर्व में स्थित शोस्तका शहर पर हुए हमले के बारे में बताया कि कम से कम 30 लोग घायल हुए हैं। यह शहर रूसी सीमा से लगभग 70 किलोमीटर दूर है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "सभी आपातकालीन सेवाएं पहले ही घटनास्थल पर

पहुंच चुकी हैं और लोगों की मदद शुरू कर दी है। घायलों के बारे में सभी जानकारी जुटाई जा रही है।'' यूक्रेन के उप-प्रधानमंत्री और पुनर्निर्माण मंत्री ओलेक्सी कुलेबा ने कहा कि रूस ने एक के बाद एक दो यात्री ट्रेनों पर हमला किया, पहले एक स्थानीय ट्रेन को और फिर कीव जाने वाली एक ट्रेन को निशाना बनाया। कुलेबा ने शनिवार को टेलीग्राम पर लिखा, "चिकित्सा दल घायलों को पहले ही अस्पतालों में पहुंचा चुके हैं और आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। अन्य लोग (जो घटनास्थल पर थे) बचावकर्मियों की निगरानी में आश्रय स्थलों में हैं।" उन्होंने कहा कि स्टेशन पर हवाई हमले की चेतावनी जारी है।

जेलेंस्की और स्थानीय गवर्नर ओलेह ह्रीहोरोव, दोनों ने घटनास्थल से तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें एक यात्री डिब्बे में आग लगी दिखाई दे रही है। मॉस्को ने हाल ही में यूक्रेन के रेलवे नेटवर्क पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जो सैन्य परिवहन के लिए जरूरी है और पिछले दो महीनों में लगभग हर दिन इस पर हमले हो रहे हैं।

वर्चुअल कोर्ट सुनवाई में अंडरगार्मेंट्स पहने शामिल हुआ शख्स गिरफ्तार

- शराब-सिगरेट भी पीता दिखा था
- कोर्ट के आदेश पर भी नहीं माना

नई दिल्ली। दिल्ली में कोर्ट की कार्यवाही में बाधा डालने का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है जो सिगरेट और शराब पीते हुए अंडरवियर पहनकर कोर्ट की सुनवाई में पेश हुआ। इस संबंध में कोर्ट के रिकॉर्ड कीपर ने शिकायत दर्ज कराई थी। दिल्ली पुलिस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हो रही कोर्ट की सुनवाई में बाधा डालने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वह सिगरेट और शराब पीते हुए अंडरवियर में सुनवाई में पेश हुआ था। पुलिस ने बताया कि गोकुलपुरी निवासी 32 साल का मोहम्मद इमरान एक हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ दिल्ली भर में लूट, झपटमारी और अन्य अपराधों के 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

बेलगावी में उर्स जुलूस के दौरान 'आई लव मुहम्मद' के लगे नारे

- भड़के लोगों ने किया पथराव

बेलगावी। कर्नाटक में बेलगावी के खड़क गली में स्थित महबूब सुब्हानी दरगाह के उर्स जुलूस के दौरान बवाल हो गया। नारों को लेकर हुए विवाद के बाद पथराव हुआ, जिससे इलाके में तनाव फैल गया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात जुलूस में शामिल कुछ युवकों ने 'आई लव मुहम्मद' का नारा लगाया, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। फिलहाल शांति बनाए रखने के लिए संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। खड़क गली से आमतौर पर जुलूस नहीं गुजरता। वहां के निवासियों ने नारे पर आपत्ति जताई और सवाल किया कि जुलूस का मार्ग क्यों बदला गया। नारे पर आपत्ति जताए जाने के बाद तनाव बढ़ गया और पथराव की खबरें आने लगीं। पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को काबू किया। सीनियर पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हमने तुरंत हस्तक्षेप किया और मामला गंभीर होने से पहले ही समूहों को तितर-बितर कर दिया।

'राहुल गांधी का पासपोर्ट जब्त और कानूनी कार्रवाई हो'

BJP सांसद निशिकांत दुबे का कांग्रेस नेता पर हमला

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को मांग की कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का डिप्लोमेटिक पासपोर्ट जब्त किया जाना चाहिए और कानूनी कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। दुबे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी विदेशों में भारत सरकार की आलोचना करते हुए निराधार बयान देते हैं। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने बातचीत में कहा कि राहुल गांधी विदेश जाकर संविधान पर लंबी-चौड़ी बातें करते हैं और भारत सरकार के खिलाफ बेबुनियाद बयान देते हैं। यह वैसा ही है जैसा जाकिर नाइक मलेशिया से बोल रहे हैं। खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू कनाडा और अमेरिका से बोल रहे हैं और सैयद सलाहुद्दीन पाकिस्तान से बोल रहे हैं। अगर आप उनकी भाषा की तुलना विपक्ष के नेता के रूप में सोरोस फाउंडेशन द्वारा समर्थित राहुल गांधी द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भाषा से करें, तो दोनों एक जैसे हैं।"

निशिकांत दुबे ने आगे कहा, "लेकिन मेरा कांग्रेस पार्टी

से सवाल है कि आप जिस संविधान का हवाला दे रहे हैं, वह संविधान है। 1975 में, बीजेपी की संस्थापक सदस्य राजमाता सिंधिया ग्वालियर राजघराने की महारानी थीं। ऐसा कोई चुनाव नहीं है, जिसमें राजमाता सिंधिया हारी हों। इसका मतलब है कि लोगों के बीच उनकी अपार लोकप्रियता है। उन्हें सिर्फ इसलिए जेल में डाल दिया गया, क्योंकि वह भारतीय जनता पार्टी के पहले स्वरूप भारतीय जनसंघ की नेता थीं। आपने उन्हें जेल में डाला। उनके घर पर आयकर के छापे मारे गए। उन्हें और जयपुर राजघराने की महारानी गायत्री देवी को परेशान किया गया और तिहाड़ जेल में कैद कर दिया गया।"

भारतीय जनता पार्टी के सांसद ने कहा, "आप महिलाओं, महिलाओं के अधिकारों की बात करते हैं, सिर्फ वो तो, लेकिन आज आप वांगचुक की बात कर रहे हैं। बहुत हंगामा मचा हुआ है। जांच चल रही है। इस हत्या में कितने लोग मारे गए। क्या आपको पता है वांगचुक ने लद्दाख में क्या कहा था। भीमसेन सच्चर एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे। वे आंध्र प्रदेश के राज्यपाल भी थे। पुलिस रातों-रात भीमसेन सच्चर को उनके घर से घसीटकर ले गई और आपने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मुझे लगता है कि कांग्रेस पार्टी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। भारत सरकार से मेरी मांग है कि चूंकि राहुल गांधी डिप्लोमेटिक पासपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं। मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि उनका डिप्लोमेटिक पासपोर्ट जब्त कर लिया जाए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।"

जम्मू-कश्मीर के सांबा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन

सर्च ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे गांव के ऊपर पाकिस्तानी ड्रोन मंडराता नजर आया। इसे लेकर सुरक्षा बलों ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की ओर से शुक्रवार देर रात ड्रोन जैसी एक वस्तु आती देखी गई, जो रामगढ़ सेक्टर के नांगा गांव

के ऊपर मंडराती रही, जिससे सीमावर्ती क्षेत्र में बल सतर्क हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों और पुलिस दलों को इलाके की तलाशी लेने और यह सुनिश्चित करने के लिए तुरंत तैनात किया गया कि सीमा पार से नशीले पदार्थों और हथियारों जैसी कोई भी सामग्री गिराई तो नहीं गई। अधिकारियों ने बताया कि अंतिम रिपोर्ट मिलने तक तलाश अभियान जारी था। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर आसपास के गांवों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

दूसरी ओर, सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का अमृतसर में भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से 1.50 किलोग्राम हेरोइन और 12 पिस्तौल बरामद किए गए हैं।

पिता को जमानत देने के बदले बेटी से मांगे 5 लाख रुपये

हाईकोर्ट ने 2 जजों को किया बर्खास्त

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कदाचार के आरोप में निचली अदालत के 2 जजों को बर्खास्त कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम और दीवानी न्यायाधीश इरफान शेख को बर्खास्त करने का फैसला अनुशासन समिति की जांच के बाद लिया गया। निकम पर रिश्वतखोरी का आरोप है। एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई करने वाले शेख पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और जांच के दौरान जब्त किए गए नशीले पदार्थों का दुरुपयोग करने का आरोप है। शेख के खिलाफ उच्च न्यायालय में दायर एक याचिका अब भी लंबित है। उच्च न्यायालय ने दोनों को बर्खास्त करने का शुक्रवार को आदेश दिया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने धोखाधड़ी के मामले में जमानत देने के लिए 5 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में सातारा जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकम के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

तमिलनाडु, एमपी के बाद केरल में कोल्ड्रिफ कफ सिरप बैन

यहां 10 बच्चों की गई जान

नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में 11 बच्चों की मौत के बाद कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री पर रोक लगाने का आदेश दिया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि 1 अक्टूबर से तमिलनाडु में कफ सिरप की बिक्री पर पाबंदी का आदेश दिया जाता है। चेन्नई की एक कंपनी यह सिरप बनाती है। अधिकारी ने बताया कि पिछले दो दिन में पड़ोसी जिले कांचीपुरम के सुंगुवरचत्रम में दवा कंपनी की निर्माण इकाई का निरीक्षण किया गया और नमूने एकत्र किए गए। उन्होंने बताया कि कंपनी राजस्थान, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी को दवाइयां आपूर्ति करती है। सीनियर अधिकारी ने बताया कि सैंपल्स को सरकारी प्रयोगशालाओं में भेजा जाएगा ताकि उनमें डाइएथिलीन ग्लाइकॉल रसायन की मौजूदगी का पता लगाया जा सके। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बच्चों की मौत के मामलों का संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को परामर्श जारी किया, जिसमें निर्देश दिया गया कि 2 वर्ष से कम आयु के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाएं न दी जाएं। इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पाया कि मध्य प्रदेश में परीक्षण किए गए किसी भी सिरप के नमूने में डायथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल नहीं था।

पटना में लालू-राबड़ी आवास में हंगामा

- एक और RJD विधायक का विरोध
- शिकायत लेकर पहुंचे कार्यकर्ता

पटना। बिहार चुनाव से पहले आरजेडी के सीटिंग विधायकों को विरोध का सामना करना पड़ रहा है। पहले मधेपुरा सदर विधायक प्रो. चंद्रशेखर को लोगों की नाराजगी झेलनी पड़ी। अब राजद के मखदुमपुर विधानसभा से विधायक सतीश कुमार के विरोध में तो लोग पटना स्थित लालू-राबड़ी आवास पहुंच गए, और प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता विधायक को दोबारा टिकट नहीं देने की मांग कर रहे थे। इस बीच विधायक के खिलाफ नारेबाजी भी हुई। सैकड़ों की तादात में पहुंचे आरजेडी कार्यकर्ताओं ने पहले राबड़ी आवास के बाहर प्रदर्शन किया और फिर अचानक घर के अंदर घुस गए। कार्यकर्ताओं की मांग है कि मखदुमपुर विधायक सतीश कुमार ने क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं किया है। जनता की समस्याओं की अनदेखी की है, ऐसे में दोबारा उन्हें टिकट न दिया जाए। लालू-राबड़ी आवास पर अचानक हुए हंगामे से अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा कर्मियों ने लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन काफी देर से हंगामा होता रहा। फिर काफी समझाने-बुझाने के बाद मामला शांत हुआ।

भारतीय पेशेवर अपना रहे हैं मानव-केंद्रित रोल दोहराए जाने वाले काम एआई के हवाले : लिंक्डइन

नई दिल्ली

जैसे-जैसे एआई बार-बार किए जाने वाले काम संभाल रहा है, भारतीय पेशेवर उन नौकरियों का रुख कर रहे हैं जो मानवीय सोच, रचनात्मकता और बातचीत पर टिकी हैं। लिंक्डइन के नए आंकड़ों से पता चला है कि एचआर प्रोफेशनल कस्टमर सपोर्ट और प्रशासन की भूमिकाओं में जा रहे हैं, फाइनेंस प्रोफेशनल कस्टमर सपोर्ट और अकाउंटिंग की नौकरियों में जा रहे हैं, और इंजीनियर शिक्षा के क्षेत्र में काम चुन रहे हैं।

लिंक्डइन के आंकड़े यह भी दिखाते हैं कि ज्यादातर कर्मचारी उन उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे हैं जहां रणनीतिक जानकारियां महत्वपूर्ण हैं, जिसमें कंसल्टिंग, व्यवसाय विकास, रियल एस्टेट

और उत्पाद प्रबंधन शामिल हैं। यह पेशेवरों की उन भूमिकाओं की ओर बढ़ने के व्यापक रुझान को दर्शाता है जो विशिष्ट रूप से मानवीय क्षमताओं की मांग करते हैं।

एआई में सबका भरोसा बना हुआ है। लिंक्डइन इंडिया के वर्कफोर्स कॉन्फिडेंस सर्वे के अनुसार 62% भारतीय पेशेवरों का कहना है कि एआई कार्यों को तेज करके उनकी उत्पादकता बढ़ाता है और 59% अपने कॅरियर के लिए इसकी संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं। मीडिया, मानव संसाधन, इंजीनियरिंग और मार्केटिंग जैसे क्षेत्रों में, एआई को तेजी से एक ऐसे टूल के रूप में देखा जा रहा है जो लोगों को रणनीतिक और ज्यादा अहमियत वाले कामों पर फोकस करने के लिए बिल्कुल फ्री रखता है। निराजिता बैनर्जी, लिंक्डइन कैरियर एक्सपर्ट और इंडिया सीनियर मैनेजिंग एडिटर, कहती हैं, "एआई आपका कैरियर नहीं बनाता, बल्कि यह उसमें तेजी लाता है। आज सफल उम्मीदवार तीन आसान काम करते हैं: अपने कौशल दिखाएं, अपने काम का सबूत दें, और एआई की मदद से नए अवसर तलाशें। नौकरी के टाइटल पर ध्यान देने की बजाय कौशल-आधारित मौके चुनें। हर हफ्ते या दो हफ्ते में लिंक्डइन पर अपने काम के छोटे-छोटे नमूने साझा करें, ताकि भर्ती करने वाले देख सकें कि आप कैसे सोचते हैं। साथ ही, एआई का इस्तेमाल नौकरियों की खोज, आवेदन तैयार करने और इंटरव्यू की प्रैक्टिस के लिए करें, न कि सामान्य जवाब कॉपी करने के लिए।

जुबीन के साथी का दावा- उन्हें मैनेजर-ऑर्गनाइजर ने दिया जहर

- हत्या को हादसा दिखाने की साजिश रची
- सिंगर हांफ रहे थे, फिर भी तैरने भेजा

नई दिल्ली

सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ्तार उनके बैंडमेट (साथी सिंगर) शेखर ज्योति गोस्वामी ने अपने बयान में चौंकाने वाले खुलासे किए। शेखर ने दावा किया है कि सिंगर के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और इवेंट ऑर्गनाइजर श्यामकनु महंत ने उन्हें जहर दिया था। दोनों ने हत्या को हादसा दिखाने की साजिश रची थी।

शेखर जुबीन गर्ग की मौत के समय उनके साथ सिंगापुर में था। उसने पुलिस को बताया कि मैनेजर शर्मा पैन पैसिफिक होटल में उसके साथ रह रहा था और जुबीन की मौत से पहले उसका व्यवहार अजीबोगरीब था।

शेखर ने बताया मैनेजर शर्मा ने समुद्र के बीचोंबीच याट (नाव) के चालक को हटाकर उसका कंट्रोल अपने हाथों में लिया।

जुबीन समुद्र में जाने के बाद हांफ रहे थे। उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इसके बावजूद शर्मा कह रहा था- जाबो दे, जाबो दे (उसे जाने दो, उसे जाने दो)।

पहले टेस्ट में टीम इंडिया की 'विराट' जीत

वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से रौंदा, सिराज ने झटके 7 विकेट

अहमदाबाद। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट में भारत ने वेस्टइंडीज को हरा दिया है। तीसरे दिन दूसरे सेशन में टीम इंडिया ने मैच जीत लिया। भारत ने वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से शिकस्त दी। मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने 7 विकेट झटके। सिराज ने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 3 विकेट चटकाए। वहीं बल्लेबाजी में नाबाद शतक लगाने वाले रवींद्र जडेजा ने दूसरी पारी में 54 रन देकर चार विकेट झटके।

इस टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज की टीम अपनी पहली पारी में 162 रनों पर ऑलआउट हुई थी। इसके बाद टीम इंडिया ने केएल राहुल 100, ध्रुव जुरेल 125 और रविंद्र जडेजा नाबाद 104 के शतकों की बदौलत 448 रन बनाए थे। इस तरह पहली पारी में टीम इंडिया ने 286 रन की विशाल बढ़त हासिल की थी। इसके जवाब में दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की टीम 45.1 ओवर में 146 रन पर ढेर हो गई। इस तरह भारत ने 140 रन और एक पारी से पहला टेस्ट मैच जीत लिया।

तीसरे दिन पिच से मिल रही मदद का मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने पूरा फायदा उठाया। सिराज ने 40 रन देकर चार और बुमराह ने 42 रन देकर तीन विकेट लिए। तीसरे दिन सुबह के सत्र में पिच से मदद की संभावना में भारत ने पारी कल के स्कोर पर ही घोषित कर दी।

जडेजा की अगुवाई में स्पिनरों ने वेस्टइंडीज को दबाव में रखा। सलामी बल्लेबाज तेजनारायण चंद्रपॉल (08) और जॉन कैंपबेल ने सकारात्मक शुरूआत की, लेकिन आठवें ओवर में नितीश रेड्डी ने स्क्वेयर लेग पर शानदार कैच लपककर भारत को पहली कामयाबी दिलाई। सिराज की शॉर्ट गेंद पर चंद्रपॉल ने शॉट खेला और रेड्डी ने अपनी बायीं ओर डाइव लगाकर बेहतरीन कैच पकड़ा।

इसके बाद जडेजा ने कैंपबेल (14) को रवाना किया। चौथे नंबर पर उतरे ब्रेंडन किंग (05) ने पहली स्लिप में केएल राहुल को कैच थमाया। वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज़ (01) को स्पिनर कुलदीप यादव ने आउट किया। छठे नंबर पर आए शाइ होप ने जडेजा की गेंद पर कट शॉट खेला और यशस्वी जायसवाल ने शॉर्ट थर्डमैन पर अपने दाहिने ओर डाइव लगाकर कैच पकड़ लिया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान

रोहित की जगह शुभमन बने कप्तान

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत के वनडे और टी20 स्क्वॉड का ऐलान कर दिया। टेस्ट और टी20 इंटरेनशनल से संन्यास ले चुके दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे टीम का हिस्सा हैं। हालांकि, 38 वर्षीय रोहित अब कप्तानी करते हुए नजर नहीं आएंगे। उनकी जगह युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को वनडे का कप्तान बनाया गया है। गिल भारत की टेस्ट टीम के कप्तान हैं और टी20 में उपकप्तान हैं। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को वनडे में उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि बीसीसीआई ने वनडे वर्ल्ड कप 2027 को ध्यान में रखकर यह फैसला लिया है।

विराट का कमबैक

रोहित शर्मा ने 56 वनडे मैचों में भारत कप्तानी की, जिसमें दमदार रिकॉर्ड रहा। उनकी अगुवाई में भारतीय टीम ने 42 वनडे जीते और सिर्फ 12 मर्तबा हार का सामना किया। उनके नेतृत्व में भारत ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचा था, जहां ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार मिली। रोहित और कोहली 9 महीने बाद भारत के लिए खेलेंगे। दोनों पिछली बार मार्च में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेले थे। रोहित की अगुवाई भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इंडिया वर्सेस ऑस्ट्रेलिया सीमित ओवर सीरीज की शुरुआत 19 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। भारत को ऑस्ट्रेलिया में तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलने हैं। टी20 सीरीज का आगाज 29 अक्टूबर से होगा। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वनडे सीरीज में आराम दिया गया है। वह टी20 सीरीज में उतरेंगे। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोटिल होने के कारण भारतीय स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं। उन्हें एशिया कप 2025 में हैमस्ट्रिंग में समस्या हुई थी।

वह एशिया कप फाइनल में नहीं खेले थे, जिसमें सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। विकेटकीपर ऋषभ पंत अनफिट होने के चलते ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जाएंगे। इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज के दौरान चोटिल हुए पंत एशिया कप में भी नहीं खेले थे। भारतीय टी20 टीम की बागडोर एक बार फिर सूर्यकुमार संभालेंगे। 22 वर्षीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की टी20 में वापसी हुई है। उन्हें वनडे टीम में भी चुना गया है। उन्होंने अब तक कोई वनडे नहीं खेला।

भारतीय वनडे टीम :

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल।

भारतीय टी20 टीम :

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उकप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

तीनों फॉर्मेट के लिए अलग-अलग कप्तान रखना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं

टेस्ट सीरीज के बाद अब वनडे क्रिकेट में भी भारत ने नए नेतृत्व की शुरुआत की है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने टी20 और वनडे के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरे के लिए शुभमन गिल को वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि रोहित शर्मा अब केवल स्पेशलिस्ट बैटर के रूप में ही टीम में खेलेंगे। रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाया गया है या वो खुद पीछे हटे है इस पर कोइ स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन चयनकर्ता अजीत अगरकर के बयान से संकेत मिलता है कि उन्हें शायद कप्तानी से हटाया गया है। अगरकर ने कहा, 'तीनों फॉर्मेट के लिए अलग-अलग कप्तान रखना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

महिला वर्ल्ड कप में आज भारत-पाक भिड़ंत

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने जहां श्रीलंका को हराकर विजयी आगाज किया था। वहीं पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश के खिलाफ बुरी तरह हार गई थी। अब रविवार 5 अक्टूबर को कोलंबो में भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला खेला जाना है। खास बात यह है कि महिला वनडे वर्ल्ड कप में यह सिर्फ दूसरा मौका है जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। आखिरी बार 2005 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें आपस में भिड़ी थीं।

वहीं वनडे क्रिकेट में भारतीय महिला टीम पाकिस्तान के खिलाफ कभी नहीं हारी है। दोनों टीमें कुल 11 बार वनडे मुकाबले में भिड़ी हैं। सभी 11 मैच भारतीय महिला टीम ने अपने नाम किए हैं। आखिरी बार दोनों टीमें 2022 में वनडे मैच खेलने के लिए आमने-सामने थीं। उस मैच में भारत ने पड़ोसी देश को 107 रनों से हराकर करारी शिकस्त दी थी।

वहीं वर्ल्ड कप की बात करें तो भारतीय टीम ने 2005 में एकमात्र विश्व कप मुकाबला पाकिस्तान से खेला है। कराची में हुए उस मुकाबले में भारत ने 193 रनों से बेहतरीन जीत दर्ज की थी। अब विश्व कप में दूसरी बार और ओवरऑल वनडे में 12वीं बार दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। भारतीय टीम की बात करें तो टीम इस वक्त बेहतरीन फॉर्म में है। हालांकि, पहले मैच में स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला नहीं चला था। मगर वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया जैसे खतरनाक टीम को भारत ने नाकों चने चबवा दिए थे। स्मृति ने बैक टू बैक दो ताबड़तोड़ ऐतिहासिक शतकीय पारियां खेली थीं। जबकि पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश के हाथों शर्मनाक हार झेलकर आई थी। पाकिस्तान की टीम पहले मुकाबले में महज 129 रन पर ही ढेर हो गई थी।

पाक टीम

मुनीबा अली, ओमैमा सोहैल, सिद्रा अमीन, सिद्रा नवाज, नतालिया परवेज, फातिमा सना (कप्तान), अइमन फातिमा, रमीन शमीम, शवाल जुल्फीकार, सइदा अरूब शाह, डाइना बेग, नाशरा संधू, सादिया इकबाल, आलिया रियाज, सदफ शमस।

भारतीय टीम

प्रतिका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देयोल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, राधा यादव, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, उमा छेत्री, श्री चरणी।

कियारा रोड्रिग्ज ने रचा इतिहास

चौथी बार जीता लंबी कूद का स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। इक्वाडोर की कियारा रोड्रिग्ज ने इंडियनऑयल नयी दिल्ली पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 में लगातार चौथी बार महिलाओं की लंबी कूद टी-47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। कियारा ने 6.29 मीटर की छलांग लगाई, जबकि हंगरी की पेट्रा लुटेरन (5.98 मीटर) ने रजत और डेनमार्क की ब्योर्कर नोएरेमाकर (5.84 मीटर) ने कांस्य पदक हासिल किया। भारत की निमिषा सुरेश चक्कुंगलपरम्बिल ने 5.74 मीटर की छलांग के साथ एशियाई रिकॉर्ड बनाया, लेकिन बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण पोडियम से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं। कियारा इससे पहले 100 मीटर टी-47 में भी स्वर्ण जीत चुकी हैं और तिहरा पदक हासिल करने की कोशिश में हैं। इस बीच, अमेरिका के माइकल ब्रैनिगन ने पुरुषों की 1500 मीटर टी-20 और ईरान के अली बाजियारशूरिजेह ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। पदक तालिका में ब्राज़ील (12 स्वर्ण) शीर्ष पर कायम है, जबकि चीन 40 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर और भारत (6 स्वर्ण, 5 रजत, 4 कांस्य) चौथे स्थान पर है।

रवीन्द्र जड़ेजा ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम से बाहर

नई दिल्ली। भारत की आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे की वनडे टीम की घोषणा में सबसे बड़ा चर्चा का विषय रविंद्र जडेजा का नाम नहीं होना रहा। भारत के इस स्टार ऑलराउंडर, जो लंबे समय से टीम के सीमित ओवरों के खेल में नियमित हैं, को 50 ओवर की टीम में शामिल नहीं किया गया, जिससे चयनकर्ताओं की रणनीति और जडेजा के भविष्य को लेकर सवाल उठे। बीसीसीआई चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर ने स्पष्ट किया कि जडेजा इस विशेष श्रृंखला के लिए विचार में नहीं थे। उनकी जगह टीम में मुख्य स्पिन ऑलराउंडर के रूप में अक्षर पटेल को शामिल किया गया। अगरकर ने कहा, 'हम टीम में दो लेफ्ट-आर्म स्पिनरों को नहीं रखना चाहते थे। जडेजा हमारे विचार में अभी भी शामिल हैं।' टीम बैलेंसः जडेजा और अक्षर दोनों ही लेफ्ट-आर्म स्पिन और लोअर-ऑर्डर बल्लेबाजी में समान क्षमताओं वाले हैं। दोनों को एक साथ रखना टीम बैलेंस के लिहाज से उचित नहीं माना गया। ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियांः ऑस्ट्रेलियाई पिचें सामान्यतः तेज गेंदबाजों और बाउंस के लिए अनुकूल होती हैं। चयनकर्ताओं ने तेज गेंदबाजी हमले को मजबूत करते हुए केवल एक स्पिनर को ही टीम में रखा।

दिल्ली फुटबॉल के उपाध्यक्ष एन.के. भाटिया का निधन

नई दिल्ली। दिल्ली फुटबॉल के वरिष्ठ प्रशासक एन.के. भाटिया का शनिवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह उम्र संबंधी जटिलताओं से जूझ रहे थे और राजधानी के एक अस्पताल के ICU में भर्ती थे। भाटिया, जो फुटबॉल दिल्ली के उपाध्यक्ष थे, ने खेल को बढ़ावा देने के लिए दशकों तक काम किया। उन्होंने दिल्ली सॉकर एसोसिएशन (DSA) के सचिव पद पर रहते हुए कई बार राष्ट्रीय महासंघ की बैठकों में प्रतिनिधित्व किया। वह अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) की कई स्थायी समितियों में भी पदाधिकारी रहे।

मिचेल मार्श का पहला टी20 शतक

ऑस्ट्रेलिया ने चैपल-हेडली श्रृंखला 2-0 से जीती

माउंट मोनगानुई। मिचेल मार्श के नाबाद 103 रन की दमदार पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को न्यूजीलैंड को तीन विकेट से हराकर चैपल-हेडली टी20 श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श ने 52 गेंद में आठ चौके और सात छक्कों की मदद से अपना पहला टी20 शतक पूरा किया। उनके अलावा केवल दो अन्य बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके। ऑस्ट्रेलिया ने दो ओवर रहते ही 7 विकेट पर 160 रन बनाकर न्यूजीलैंड के 9 विकेट पर 156 रन के स्कोर को पार कर लिया। न्यूजीलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी के सामने संघर्ष करती नजर आई और टॉस 15 मिनट देर से होने के कारण भी उनके बल्लेबाज साझेदारियां बनाने में नाकाम रहे। टिम सिफर्ट ने 35 गेंद में 48 रन बनाकर टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जबकि कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 26 और जिम्मी नीशाम ने 25 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश हेज़लवुड ने 26 रन देकर 2 विकेट लिए, जेवियर बार्टलेट ने 25 रन देकर 2 विकेट झटके, और सीन एबॉट ने 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

मीराबाई चानू ने विश्व चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

फोर्ड (नॉर्वे)। स्टार भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने यहां विश्व चैंपियनशिप में 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता। इसके साथ ही इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में उनका शानदार रिकॉर्ड और मजबूत हो गया, जहां वह पहले भी दो बार पदक जीत चुकी हैं। चानू 2017 की विश्व चैंपियन और 2022 की रजत पदक विजेता हैं, उन्होंने कुल 199 किग्रा (स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा) वजन उठाया। पिछली बार उन्होंने 2021 में तोक्यो ओलंपिक में 115 किग्रा भार उठाया था, जहां उन्होंने रजत पदक जीता था।

संन्यास के बारे में नहीं सोच रही, मेरा ध्यान मानसिक मजबूती पर : तीरंदाज दीपिका कुमारी

नई दिल्ली। चार बार की ओलंपियन तीरंदाज दीपिका कुमारी ने संन्यास की योजनाओं को खारिज करते हुए कहा कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक में देश के प्रतिनिधित्व के लक्ष्य के साथ दबाव वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के समय दीपिका की उम्र 34 साल हो जायेगी। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा कि यह ओलंपिक में उनके लिए आखिरी मौका होगा ऐसे में उनकी मानसिकता 'करो या मरो' की होगी। दीपिका ने यहां तीरंदाजी प्रीमियर लीग के शुरुआती दिन कहा, 'यह मेरे करियर का अंतिम चरण नहीं है। मैंने अभी इस बारे में फैसला नहीं किया है। मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है।' दीपिका ने बताया कि उनकी मौजूदा ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है। इस अनुभवी तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है। दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है।' उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं। मुझे पहले भी टूर्नामेंट के अहम मैचों में अक्सर मानसिक रूप से परेशानी होती रही है, जिसकी वजह से परिणाम मेरे पक्ष में नहीं आते थे।' उन्होंने कहा, 'मैं विभिन्न तरह की परिस्थितियों को मन में सोच कर अभ्यास कर रही हूं, मानसिक प्रशिक्षण ले रहा हूं। मैं हर समय इस खेल के बारे में सोच रही हूं। मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं।' दीपिका ने ओलंपिक खेलों में कंपाउंड तीरंदाजी को शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे भारत की पदक की संभावनाएं काफी बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं क्योंकि कंपाउंड तीरंदाजी अब ओलंपिक का हिस्सा है। हर कोई सोच रहा था कि यह कब होगा और आखिरकार हो ही गया। कई टूर्नामेंटों में हमारे पदकों की संख्या पहले ही बढ़ चुकी है और हमारी कंपाउंड टीम बहुत मजबूत है।'

दीपिका ने भारत में आयोजित हो रही पहली तीरंदाजी प्रीमियर लीग की भी सराहना करते हुए कहा कि लंबे समय से ऐसे कदम की जरूरत थी और इससे देश के तीरंदाजों को काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा, ''हम यहीं भारत में एक टूर्नामेंट खेल रहे हैं और मैं बहुत उत्साहित हूं क्योंकि पहली बार ऐसी लीग शुरू हुई है। हम इसका लंबे समय से इंतज़ार कर रहे थे।'

अक्षय भाटिया कट से बाहर हिग्गो-मोंटगोमरी की टक्कर जारी

जैक्सन (अमेरिका)। भारत के अक्षय भाटिया सैंडरसन फार्म्स चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में कट से बाहर हो गए। पहले दौर में उन्होंने ईवन पार 72 का स्कोर बनाया, जबकि दूसरे दौर में 1-ओवर 73 खेलते हुए उनका कुल स्कोर 1-ओवर 145 रहा। कट का स्कोर 4-अंडर था, जिससे भाटिया पांच शॉट पीछे रह गए।

भाटिया ने 10वें होल से शुरुआत की और 14वें व 16वें पर बोगी की, लेकिन तीसरे और पांचवें पर बर्डी से वापसी की। हालांकि, 17वें होल (आठवें) पर बोगी कर बाहर हो गए। अब भाटिया आगामी टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य रखेंगे। दूसरे दौर के बाद दक्षिण अफ्रीका के गैरिक हिग्गो 13-अंडर (65-66) के साथ लीडरबोर्ड पर शीर्ष पर हैं। उन्होंने बैक-नाइन में चार बर्डी लगाकर बढ़त बनाई। हिग्गो हाल ही में हिप सर्जरी से लौटे हैं। एरिक कोल और टेलर मोंटगोमरी 12-अंडर पर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। कोल ने दूसरे दौर में 67 का स्कोर किया जबकि मोंटगोमरी ने शानदार 9-अंडर खेला। डैनी वॉकर 11-अंडर पर चौथे स्थान पर हैं। गौर है कि केवल शीर्ष 100 खिलाड़ी ही नवंबर में खत्म होने वाले फेडएक्सकप फॉल के बाद पीजीए टूर कार्ड सुरक्षित रख पाएंगे।

कोको गॉफ का सफर सेमीफाइनल में थमा

अमांडा एनिसिमोवा ने दी करारी शिकस्त

बीजिंग। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ की चाइना ओपन में खिताब बचाने की उम्मीदें शनिवार को समाप्त हो गई। सेमीफाइनल में उनकी हमवतन और तीसरी वरीय अमांडा एनिसिमोवा ने उन्हें 58 मिनट के भीतर सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से मात दी। गॉफ, जिन्होंने पिछले साल चाइना ओपन का खिताब जीता था, इस बार अपनी लय में नजर नहीं आईं और एनिसिमोवा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए उन्हें कोई मौका नहीं दिया।

अमांडा ने शानदार सर्विस और बेसलाइन से ताकतवर शॉट्स खेलकर मुकाबले पर पूरी तरह से नियंत्रण बनाए रखा। इस जीत के साथ अमांडा एनिसिमोवा ने फाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना पांचवीं वरीय जेसिका पेगुला और लिंडा नोसकोवा के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। गॉफ की इस हार से टूर्नामेंट का खिताबी समीकरण और भी दिलचस्प हो गया है क्योंकि एनिसिमोवा इस समय बेहतरीन फॉर्म में दिखाई दे रही हैं और फाइनल में उनके खेल पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

वॉटरफॉल पेंटिंग लगाते समय न करें वास्तु मिसटेक्स

अपने घर को सजाने के लिए हम सभी तरह-तरह की पेंटिंग का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। घर के अलग-अलग हिस्सों में तरह-तरह की पेंटिंग्स लगाई जाती हैं। कुछ लोग नेचर लवर होते हैं और इसलिए उन्हें वॉटरफॉल पेंटिंग लगाना काफी अच्छा लगता है। वॉटरफॉल पेंटिंग में जब पानी बहता हुआ दिखता है, तो वह बेहद ही खूबसूरत लगता है। घर में वॉटरफॉल पेंटिंग लगाने में कोई समस्या नहीं है। बस जरूरत है कि आप उसे सही तरह से लगाएं। अगर वॉटरफॉल पेंटिंग को गलत दिशा में इस्तेमाल किया जाता है तो यह आपके लिए नेगेटिविटी का कारण भी बन सकता है। तो चलिए आज इस लेख में वास्तुशास्त्री के अनुसार वॉटरफॉल पेंटिंग लगाने से जुड़ी कुछ वास्तु मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं...

उत्तर दिशा के मध्य में लगाएं

यूं तो आपको घर में वॉटरफॉल पेंटिंग लगाने से बचना चाहिए, लेकिन अगर आप इसे लगाना ही चाहते हैं तो ऐसे में दिशा का खासतौर पर ध्यान रखें। कुछ लोग वॉटरफॉल पेंटिंग को स्पेस के अनुसार कहीं पर भी लगा देते हैं, जबकि यह सही नहीं माना जाता है। हमेशा वॉटरफॉल पेंटिंग को उत्तर दिशा के मध्य में लगाएं।

लगाएं वॉटर फाउंटेन

अगर आपको पानी से जुड़ी कोई पेंटिंग अपने घर में लगानी है तो आप कोशिश करें कि आप वॉटरफॉल की जगह वाटर फाउंटेन की पेंटिंग अपने घर में लगाएं। वॉटर फाउंटेन में पानी नीचे से ऊपर की ओर जाता है। यह देखने में भी अच्छा लगता है और एक पॉजिटिविटी भी लाता है। इस तरह की पेंटिंग को आप उत्तर-पूर्व दिशा में लगाएं। इसे आप उत्तर के मध्य से लेकर पूर्व के मध्य में लगाएं। कभी भी आप इसे दक्षिण-पश्चिम में नहीं लगाना चाहिए।

दक्षिण-पूर्व का कोना

वॉटरफॉल या वॉटर फाउंटेन की पेंटिंग को भूल से भी दक्षिण-पूर्व दिशा के कोने में नहीं लगाना चाहिए। अगर इस दिशा में वॉटरफॉल पेंटिंग को लगाया जाता है तो इससे आपको धन की हानि की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही साथ, इससे घर में कलह भी हो सकता है।

उत्तर -पश्चिम दिशा में न लगाएं

वॉटरफॉल की पेंटिंग को उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाना भी अच्छा नहीं माना जाता है। अगर इस दिशा में वॉटरफॉल पेंटिंग लगाई जाती है तो इससे आपको कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

इतना ही नहीं, इससे घर की महिलाओं को भी परेशानी होती है। यह घर के सदस्यों के लिए हेल्थ प्रोब्लम को भी बढ़ा सकता है।

वॉटरफॉल की ऊंचाई

अगर आप अपने घर में वॉटरफॉल की पेंटिंग लगा रहे हैं तो आपको इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि उसकी ऊंचाई बहुत अधिक ना हो। वास्तु के अनुसार नदी या समुद्र की पेंटिंग काफी अच्छी मानी जाती है। लेकिन वॉटरफॉल की पेंटिंग में पहाड़ी जैसा सीन होता है, जिसमें पानी ऊपर से नीचे की ओर गिरता है। यह एक तरह की नेगेटिविटी पैदा करता है।

हाथों की खूबसूरती का भी रखें खास ध्यान

हम अपनी स्किन का ध्यान रखने के लिए अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। कई बार ऐसा होता है कि पार्लर जाकर महंगे ट्रीटमेंट लेते हैं ताकि स्किन का ग्लो बना रहे। ऐसे ही जरूरी है कि आप हाथों की खूबसूरती का भी खास ध्यान रखें। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपके हाथ सुंदर दिखते हैं साथ ही आपकी पर्सनेलिटी पर भी इसका खास असर नजर आता है। इसके लिए आप घर पर ही मैनीक्योर कर सकती हैं। ये आपके हाथों को साफ करता है और स्किन में अलग सी चमक लाता है।

नेल पॉलिश को हटाएं

मैनिक्योर करने से पहले अपने नाखूनों पर लगे नेल पॉलिश को साफ करें। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपके नाखूनों को भी सही तरीके से साफ किया जा सकता है। इसके लिए आप नेल पॉलिश रिमूवर का इस्तेमाल करें। इसकी मदद से आसानी से नाखून पूरी तरह से साफ हो जाते हैं। इसके बाद नाखूनों को काटें और आकार देने का भी काम करें।

हाथों को पानी में भिगोएं

इसके बाद एक कटोरे में गर्म पानी लें और इसमें क्लींजर मिक्स करें अब अपने हाथों को इसमें भिगोएं करीब 3 मिनट तक (मैनीक्योर करने का तरीका) हाथों को ऐसे ही डुबे रहने दें। ध्यान रहे पानी ज्यादा गर्म नहीं, बल्कि गुनगुना हो, नहीं तो आपके हाथ जल सकते हैं। जब आपके हाथ अच्छे से भीग जाएंगे तब उनमें से डेड स्किन और गंदगी निकलने लगेगी। इसे अब एक स्क्रब की मदद से साफ करें। हल्के हाथों से करें वरना हाथों पर रेडनेस हो सकती है।

नाखूनों पर लगाएं क्यूटिकल क्रीम

अब पानी में से अपने हाथों को निकालकर साफ कर लें। इसके बाद इसमें क्यूटिकल क्रीम लगाएं और अच्छे से मालिश करें। इन पर ज्यादा दबाव न डालें, क्योंकि इससे क्यूटिकल्स ज्यादा पीछे चले जा सकते हैं और आपके नाखूनों को नुकसान हो सकता है।

हाथों पर लगाए मॉइश्चराइजर

इसके बाद हाथों में मॉइश्चराइजर लगाएं। इससे हाथों को नमी मिलेगी साथ ही हाथ मुलायम हो जाएंगे। विशेष रूप से (मैनीक्योर हैक्स) अपनी उंगलियों का ध्यान रखें यहां पर इन्हें जरूर लगाएं। इसके बाद नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाएं। इस तरीके से मैनीक्योर करने से आपके हाथ सुंदर दिखने लगेंगे।

वॉटर रिटेंशन से बचने के उपाय

वॉटर रिटेंशन एक ऐसी खतरनाक बीमारी है, जिसकी वजह से शरीर के अंदर पानी भरने लगता है और इस कारण शरीर फूलने लगता है। इसकी वजह से हाथ, पैर, चेहरे और पेट की मांसपेशियों में सूजन बढ़ जाती है। वजन हर दूसरे दिन कम और ज्यादा होता रहता है। अगर इस गंभीर बीमारी की शुरुआत में ही पहचान कर लिया जाए तो इसे रोका जा सकता है लेकिन अगर इसके लक्षण को अनदेखा करते हैं तो समस्या विकराल रूप ले सकती है। इसलिए जब भी वॉटर रीटेंशन के लक्षण नजर आए तो बिना घबराएं डॉक्टर के पास जाना चाहिए। आइए जानते हैं आखिर वॉटर रिटेंशन क्या होता है और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए...

वॉटर रिटेंशन के लक्षण :- पैरों, टखनों में सूजन, त्वचा लाल होना और उसमें खिचाव, हाथ और पैर की उंगलियां का फूलना, उंगलियों में सूजन आ जाना, अचानक से वजन बढ़ जाना

वॉटर रीटेंशन के कारण :- हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, वॉटर रीटेंशन एक नहीं कई कारणों से हो सकता है। हालांकि, इसकी मुख्य वजह नमक ज्यादा खाना है। जब शरीर में ज्यादा नमक पहुंचता है तो सोडियम का स्तर बढ़ जाता है। यही कारण है कि वॉटर रीटेंशन से बचने के लिए कम नमक खाने या बिल्कुल छोड़ने की सलाह दी जाती है।

वॉटर रिटेंशन से बचाव के लिए क्या करें

खाने में हरी सब्जियां और नट्स शामिल करें। आलू, केला और अखरोट खाने में शामिल करें। विटामिन सी से भरपूर चीजें खाएं। तनाव से दूरी बनाएं, इससे वॉटर रीटेंशन काफी हद तक दूर होता है। नियमित तौर पर योग और एक्सरसाइज करने चाहिए।

हल्के में न लें पैरों का दर्द

पैरों की दर्द को हमेशा छोटी समस्या मानकर नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। कभी-कभी पैरों में दर्द (Leg Pain) गंभीर समस्याओं के संकेत भी हो सकते हैं। पैरों में दर्द होने के एक नहीं कई कारण हो सकते हैं। जैसे- रोजाना कामकाज करने की वजह से भी पैरों में दर्द हो सकता है। हालांकि, कई गंभीर स्वास्थ्य स्थितियां भी इस तरह के दर्द का कारण हो सकती हैं। ऐसे में पैरों के दर्द को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए।

किसी तरह के नुकसान होने पर दर्द की समस्या हो सकती है।

3. फुट अल्सर

डायबिटीज के मरीजों को फुट अल्सर का सबसे ज्यादा खतरा रहता है।

इसकी वजह से उन्हें कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। सूजन के साथ पैर का दर्द और खुले घाव को नजरअंदाज करने से बचना चाहिए, वरना समस्या नासूर भी बन सकती है।

4. साइटिका या रेस्टलेस लेग सिंड्रोम

साइटिक नर्व में दर्द यानी साइटिका की वजह से भी पीठ के निचले हिस्से से लेकर पैरों तक दर्द होता रहता है। वहीं, रेस्टलेस लेग सिंड्रोम की वजह से भी पैरों में काफी दर्द होता है। यह समस्या रात में होती है और कई बार तो नींद में खलल तक पड़ जाती है।

5. पैरों में भारीपन

जब पैर सामान्य से ज्यादा वजन उठाते हैं तो उनमें भारीपन और थकान होने लगती है। इससे ब्लड सर्कुलेशन भी बिगड़ सकता है। इसकी वजह से भी पैरों में काफी दर्द रहता है। ऐसे में इसे हल्के में लेने की बजाय डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

1. वैरिकोज वेन्स

वैरिकोज वेन्स पैरों पर नीली या गहरे बैंगनी रेखाएं होती हैं। जब इनमें समस्याएं आती हैं तो उभर आती हैं और साफ-साफ नजर आने लगती हैं। ऐसा ब्लड सर्कुलेशन बिगड़ने की वजह से होता है या नस वाल्व के कमजोर होने से भी ये समस्या हो सकती है। इससे पैरों में दर्द, सूजन और भारीपन हो सकता है।

2. डायबिटिक फुट और न्यूरोपैथिक कारण

डायबिटीज के मरीजों के पैरों में भी अक्सर दर्द होता है। यह दर्द डायबिटीज के साइड इफेक्ट्स या न्यूरोपैथी समस्याओं की वजह से हो सकता है। तंत्रिका में भी

रसोईघर में भूलकर भी खाली न होने दें ये चीजें

रसोईघर बेहद महत्वपूर्ण स्थान माना गया है। यही वो स्थान है, जिससे सभी व्यक्ति का भाग्य तय होता है और घर में सुख-समृद्धि का आगमन भी होता है। कहते हैं कि रसोईघर में कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन्हें कभी खत्म नहीं होने देना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इन वस्तुओं के खत्म होने से नकारातमकता बढ़ती है और कंगाली का भी सामना करना पड़ता है। अब ऐसे में कौन से ऐसे 5 चीजें हैं, जिन्हें कभी खत्म नहीं हने चाहिए।

रसोईघर में आटा खाली न होने दें

कुछ घरों में ऐसा देखा जाता है कि जब रसोईघर में आटे का डिब्बा पूरी तरह से खाली हो जाता है, तभी उसमें नया आटा भरा जाता है। अगर आप भी ऐसा करते हैं, तो तत्काल के लिए रोक देना चाहिए। आटे के डिब्बे में आटा पूरी तरह से खत्म नहीं होने चाहिए। इससे पहले नया आटा उसमें भर दें। साथ ही आटे के बर्तन को कभी भी झाड़ना नहीं चाहिए। इससे धन हानि हो सकती है और मान-सम्मान में भी कमी आती है। इसलिए ऐसा करने से बचना चाहिए।

रसोईघर में हल्दी खाली न होने दें

रसोईघर के मसालों में इस्तेमाल होने वाली चीज हल्दी बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसका प्रयोग लगभग सभी चीजों में किया जाता है। अगर आपके भी रसोई में हल्दी खत्म हो जाती है, तो इससे गुरुदोष लगता है। गुरुदोष लगने से व्यक्ति को धन हानि जैसी समस्याओं का सामना करवना पड़ता है। अगर आपके घर में हल्दी खत्म हो रही है, तो उससे पहले ही नई हल्दी लाकर डिब्बे में रख दें। इससे आपको लाभ हो सकता है और शुभ कार्यों में आ रही बाधाओं से भी छुटकारा मिल सकता है। इस बात का ध्यान रखें कि हल्दी कभी किसी से उधार न मांगे और न ही दें।

रसोईघर में चावल न होने दें खत्म

रसोईघर में चावल को कभी खत्म नहीं होने देना चाहिए। इससे शुक्रदोष (शुक्रदोष उपाय) लग सकता है और ऐश्वर्य, वृद्धि और भौतिक सुखों में कमी होने लग जाती है। इसलिए चावल खत्म होने से पहले ही मांगवा लेना चाहिए।

रसोईघर में नमक न होने दें खत्म

रसोईघर में नमक कभी खत्म होने देना चाहिए। इससे आर्थिक स्थिति में कमी होने लग जाती है और व्यक्ति के जीवन में परेशानियां बढ़ने लग जाता है। इसलिए ऐसा करने से बचें।

रसोईघर में खत्म न होने दें सरसों का तेल

सरसों के तेल का संबंध शनिदेव (शनिदेव मंत्र) से है। इसलिए अगर सरसो का तेल खत्म हो रहा है, तो पहले से ही नया लाकर रख दें। वरना इससे शनिदोष का सामना करना पड़ सकता है।

पुरानी साड़ियों से बनाए होम डेकोरेशन

महिलाओं को साड़ी खरीदना और पहनना बेहद ही पसंद होता है, लेकिन कुछ साड़ियां ऐसी होती है जिन्हें एक बार पहनने के बाद दोबारा पहनने की बारी नहीं आती और वह रखे रखे पुरानी हो जाती है। तो वहीं कुछ साड़ियां हम इसलिए नहीं पहनते क्योंकि उनका फैशन पुराना हो चुका होता है। ऐसे में इन साड़ियों को फेंकने के बजाय इन 4 तरीकों से इस्तेमाल करें।

पुरानी साड़ी से बनाएं डोर मैट

पुरानी साड़ियों का इस्तेमाल कर आप डोर मैट बना सकती हैं। मैट बनाने के लिए सबसे पहले साड़ी को चौड़े टुकड़ें में काटकर एक गोला बना लें। इसे बनाने के लिए आप अलग-अलग रंग की साड़ियों का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके बाद सलाई की मदद से गोल या चौकोर डिजाइन में बुन लें। इसके अलावा आप चोटी डिजाइन में भी मैट को बना सकती है। इस तरह के डिजाइन वाले डोर मैट के लिए साड़ी को काटकर चोटी की तरह बना लें। उसके बाद गोले के आकार में मोड़ते हुए सुई और धागे की मदद से सिल दें।

गद्दा या कालीन बानाने के लिए करें पुरानी साड़ी का इस्तेमाल

गद्दा या कालीन बनाने के लिए एक पुरानी चादर और साड़ियां लें। इसके बाद चादर को थोड़ी-थोड़ी जगह छोड़ते हुए सिल लें। सिलने के बाद चादर के छूटे हुए जगह में चिमटी या सेफ्टीपिन की मदद से साड़ी को फसाएं। साड़ी को भरने के बाद दोनों किनारों को सिल लें।

मेजपोश बनाने के लिए करें कलरफुल साड़ियों का इस्तेमाल

पुरानी साड़ी की मदद से आप मेजपोश भी बना सकती है। इसके लिए कलरफुल साड़ियों का इस्तेमाल करें। इसे बनाने के लिए रंग बिरंगी साड़ियों को बराबर हिस्से में काट कर गोला बना लें। इसके बाद पुरानी जींस (जींस से बनाए बैग) को आयताकार हिस्से में काटकर फैला लें। अब कुरासिया मदद से फंदा लगते हुए तैयार करें।

प्लेन साड़ी से बनाएं डिजाइनर पर्दा

साड़ी का इस्तेमाल कर आप दुकान जैसा डिजाइनर पर्दा (वॉल डेकोरेशन) बना सकती है। इसे बनाने के सबसे पहले साड़ी को चौड़े बार्डर में काटकर कॉटन के प्लेन साड़ी पर चुन्नट देते हुए सिलाई करें। आप अपने हिसाब से पर्दे से पर्दे को प्लेन या कलरफुल बना सकती है। इसके अलावा आप साड़ी को कई और अलग तरीके से इस्तेमाल कर सकती हैं। शादी में होने वाले हल्दी और मेहंदी फंक्शन पर आप साड़ी की मदद से बेहद ही यूनिक डेकोरेशन कर सकती हैं। इसके लिए येलो और ग्रीन कलर की साड़ियों को कलेक्ट करें और उसे घर के शेप या चुनर स्टाइल में डिजाइन करें। इसके साथ उनके बीच में लाइट का प्रयोग करें।

टीके से रोकी जा सकती है मेनिन्जाइटिस जैसी खतरनाक बीमारी

2मेनिन्जाइटिस, जिसे ब्रेन फीवर भी कहा जाता है, एक गंभीर लेकिन टीके से रोकी जा सकने वाली बीमारी है। यह विशेष रुप से बच्चों के लिए बड़ी स्वास्थ्य चिंता का विषय है। विश्व मेनिन्जाइटिस दिवसः 5 अक्टूबर का उद्देश्य इस बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे समाप्त करने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देना है, ताकि समय पर पहचान और टीकाकरण के माध्यम से जीवन बचाया जा सके। हर साल विश्वभर में 25 लाख से अधिक मामले दर्ज किए जाते हैं। यह एक गंभीर स्वास्थ्य संकट है, क्योंकि इस बीमारी से मरने वालों में लगभग 70% पाँच साल से कम उम्र के बच्चे होते हैं। मेनिन्जाइटिस या ब्रेन फीवर मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली झिल्लियों (मेनिन्जेस) की सूजन है। यह प्रायः बैक्टीरिया, फंगस या वायरस से होने वाले संक्रमण के कारण होती है।

लक्षण कारण, बीमारी के प्रकार (तीव्र, उप-तीव्र या जीर्ण), मस्तिष्क की संलिप्तता (मेनिंगो-एन्सेफलाइटिस) और अन्य जटिलताओं (जैसे सेप्सिस) पर निर्भर करते हैं। आम लक्षणों में गर्दन में अकड़न, बुखार, मानसिक स्थिति में भ्रम या बदलाव, सिरदर्द, मतली और उल्टी शामिल हैं। कम सामान्य लक्षणों में दौरे पड़ना, कोमा और तंत्रिका संबंधी समस्याएँ (जैसे सुनने या देखने की क्षमता का नुकसान, स्मृति या सोचने की क्षमता पर असर, या अंगों में कमजोरी) शामिल हो सकते हैं।

भारत मेनिन्जाइटिस से होने वाली मौतों की संख्या के मामले में शीर्ष तीन देशों में शामिल है। तीव्र जीवाणुजनित मेनिन्जाइटिस पैदा करने वाले तीन मुख्य रोगाणुओं में से नाइसेरिया मेनिन्जाइटिडिस का मृत्यु दर सबसे अधिक है—इलाज के बावजूद लगभग 15% और बिना इलाज के 50% तक। अध्ययनों से यह भी पता चला है कि दो वर्ष से कम आयु के भारतीय बच्चों में नाइसेरिया मेनिन्जाइटिडिस के मामलों में वृद्धि हो रही है। कंसल्टेंट पीडियाट्रिशियन, अरहम क्लिनिक, मुलुंड और कडल्स एन क्योर चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मुलुंड, मुंबई के डॉक्टर प्रणव संघवी ने बताया कि माता-पिता अक्सर यह नहीं समझ पाते कि मेनिन्जाइटिस कितनी तेजी से बढ़ सकता है। सुबह का हल्का बुखार शाम तक दौरे, भ्रम या कोमा जैसी आपात स्थिति में बदल सकता है। कई बार बेहतरीन इलाज भी समय रहते नुकसान को पलट नहीं पाता। इसलिए टीकाकरण की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है—यह बीमारी से पहले ही सुरक्षा प्रदान करता है और परिवार को गंभीर संकट से बचाता है। मेनिन्जाइटिस के मामले में रोकथाम ही वास्तव में एकमात्र प्रभावी उपाय है। इस घातक बीमारी से लड़ने के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स मेनिन्जोकॉकल वैक्सीन की सिफारिश करती है।

9–23 महीने की आयु में 2 डोज़
2 वर्ष से ऊपर के बच्चों में, जो उच्च जोखिम में हैं, 1 डोज़

यदि आपका बच्चा 9 महीने या उससे अधिक आयु का है, तो सुनिश्चित करें कि उसे इनवेसिव मेनिन्जोकॉकल डिज़ीज़ से बचाने वाला टीका अवश्य मिले। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने भी 2030 तक जीवाणुजनित मेनिन्जाइटिस महामारियों को समाप्त करने के लिए एक रोडमैप शुरू किया है, जिसका लक्ष्य है— टीके से रोके जा सकने वाले मामलों को 50% तक कम करना, मौतों को 70% तक घटाना। विश्व मेनिन्जाइटिस दिवस के अवसर पर, आइए हम अपने बच्चों और समुदाय की सुरक्षा का संकल्प लें। आज उठाए गए एहतियाती कदम, कल अनगिनत जिंदगियाँ बचा सकते हैं और सभी के लिए एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।

निर्देशक ने ट्विंकल से मंदाकिनी जैसा सीन देने को कहा

एक्ट्रेस ने दिया ये जवाब, सब रह गए दंग

ट्विंकल खन्ना इन दिनों अपने टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस टॉक शो में काजोल ट्विंकल के साथ होस्ट के तौर पर नजर आ रही हैं। शो के लेटेस्ट एपिसोड में वरुण धवन और आलिया भट्ट अतिथि के तौर पर नजर आए। इस दौरान ट्विंकल-काजोल ने वरुण-आलिया के साथ काफी मस्ती की और सभी ने अपने-अपने किस्से भी साझा किए। इसी दौरान ट्विंकल खन्ना ने भी एक किस्सा बताया, जब एक निर्देशक ने उन्हें मंदाकिनी जैसा सीन करने के लिए कहा था। जानिए ट्विंकल ने निर्देशक को दिया था क्या जवाब?

ट्विंकल ने सुनाया किस्सा

शो के दौरान ट्विंकल-काजोल ने आलिया-वरुण से मेकर्स की किसी अजीबोगरीब डिमांड या घटना के बारे में पूछा। इस पर वरुण-आलिया के अलावा ट्विंकल ने खुद भी एक किस्सा साझा किया है। इस दौरान ट्विंकल ने बताया कि एक बार एक निर्देशक ने उन्हें फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' में मंदाकिनी के पॉपुलर सीन जैसा सीन देने को कहा था। ट्विंकल ने बताया कि इस पर उन्होंने निर्देशक को जवाब दिया कि 'तुम राज कपूर नहीं हो।' ट्विंकल के इस किस्से को साझा करने के बाद शो पर वरुण-आलिया समेत सभी लोग ठहाके मारकर हंसने लगे।

'राम तेरी गंगा मैली' में मंदाकिनी ने दिया था हॉट सीन

दरअसल, साल 1985 में आई राजकपूर द्वारा निर्देशित फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' में मंदाकिनी का एक सीन काफी मशहूर हुआ था। इस सीन में मंदाकिनी झरने के नीचे भीगती हैं, इस दौरान वो सफेद रंग की एक ट्रांसपैरेंट साड़ी पहने होती हैं। मंदाकिनी का यह सीन काफी विवादों में भी रहा था, लेकिन इस सीन ने फिल्म के हिट होने में भी काफी बड़ी भूमिका निभाई थी। इसके अलावा भी फिल्म में मंदाकिनी के कई बोल्ड सीन थे। 'राम तेरी गंगा मैली' में मंदाकिनी के साथ राजीव कपूर, दिव्या राणा, रजा मुराद और कुलभूषण खरबंदा भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे।

दूसरे दिन ही 'कांतारा' 100 करोड़ पार

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' और बॉलीवुड फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' को रिलीज हुए तीन दिन हुए हैं। 'कांतारा चैप्टर 1' ने दो दिन में ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' कमाई के मामले में 'कांतारा चैप्टर 1' से पीछे चल रही है। जानिए, इनके अलावा बाकी फिल्में कमाई के मामले में कहां खड़ी हैं?

फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' ने पहले दिन 61.85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। दूसरे दिन 43.65 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म का कुल कलेक्शन 105.5 करोड़ रुपये हो चुका है। फिल्म को लेकर दर्शकों में गजब का क्रेज देखा जा रहा है। वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में भी पहले दिन इस फिल्म ने 89 करोड़ से अधिक की कमाई की है, ऐसा फिल्म के मेकर्स का दावा है।

रॉयल लुक में शो स्टॉपर बनीं कंगना

शुक्रवार की रात कंगना रनौत को एक ज्वेलरी कलेक्शन के लिए रैंप वॉक करते हुए फैंस ने लंबे अरसे बाद देखा। कंगना की रैंप वॉक देखकर फैंस को फिल्म 'फैशन' की यादें ताजा हो गईं। कंगना डिजाइनर राब्ता बाय राहुल के नए ब्राइडल ज्वेलरी कलेक्शन "सल्तनत" के लिए शोस्टॉपर थीं। वह बिल्कुल रॉयल लुक में नजर आईं।

कंगना ने कहा-अपने लोगों को बढ़ावा दें

रैंप वॉक करने के बाद कंगना रनौत ने एएनआई से बातचीत में कहा, 'मेरा अपने दोस्तों और सभी युवाओं से अनुरोध है कि अब हमें आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ना चाहिए। इस पर ध्यान दें कि हम अपनी संस्कृति और लोगों को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं। कल मैंने खादी की साड़ी ट्राई की। खादी को एक बार ट्राई करें। पूरी साड़ी 1500 रुपये की थी और इसने मुझे बहुत अच्छा महसूस कराया। वह कपड़ा जैविक, पर्यावरण के अनुकूल है। जेनरेशन जी (Gen Z) पर्यावरण के लिए बहुत जागरूक है।

कंगना का लुक भी चर्चा में रहा

रैंप वॉक में कंगना रनौत ने सोने और पन्ना से बनी ज्वेलरी पहनी थी। इस लुक में वह काफी रॉयल नजर आ रही थीं। ज्वेलरी डिजाइनर कंगना के दोस्त भी हैं, तो उनके कहने पर ही एक्ट्रेस ने रैंप वॉक की। वह भी रैंप वॉक करके काफी खुश दिखाई दीं।

प्रशंसकों ने कंगना को बताया 'ओजी रैंप क्वीन'

पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक प्रशंसक ने कहा, 'ओजी रैंप क्वीन!' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'वह ही शनादार हैं।' एक ने कमेंट कर लिखा था, 'रैंप वॉक में उन्हें कोई नहीं हरा सकता... आप क्वीन हैं।' एक इंस्टाग्राम यूजर ने कहा, 'वह बहुत ही सुंदर और चुलबुली हैं। उनसे रैंप पर कमाल कर देती हैं, एक क्वीन की तरह।'

कंगना आखिरी बार कब रैंप पर नजर आई थीं

एक्ट्रेस-राजनेता कंगना रनौत ने पिछले कुछ सालों में कई फेमस डिजाइनरों और कार्यक्रमों के लिए रैंप वॉक किया है। 2022 में वह खादी इंडिया के लिए लैक्मे फैशन वीक में शोस्टॉपर थीं। उन्होंने व्हाइट खादी जामदानी साड़ी और मैचिंग ओवरकोट पहना था। उसी साल उन्होंने डिजाइनर वरुण चक्किलम के लिए कढ़ाईदार लहंगा पहनकर शोस्टॉपर बनीं।

मैनेजर ने दिया जहर...

जुबीन की मौत पर नया ट्विस्ट किसने दिया यह शॉकिंग बयान?

असम की शान और भारत के नामी सिंगर जुबिन गर्ग की मौत की गुत्थी अभी तक नहीं सुलझी है। उनकी मौत के बाद जहां एसआईटी की गठन हो चुकी है, वहीं, केस में रोज शॉकिंग खुलासे हो रहे हैं। हाल ही में उनके बैंडमेट ने एसआईटी को ऐसा बयान दिया, जिसके बाद ये चर्चाएं तेज हो गई कि जुबिन की मौत हादसा नहीं बल्कि हत्या है। भारत के नामी सिंगर जुबिन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर के लाजरस आइलैंड के पास रहस्यमयी मौत से पूरी म्यूजिक इंडस्ट्री के साथ उनके फैंस शोक में हैं। अब इस रहस्यमय मौत का मामला एक डरावने मोड़ पर पहुंच गया है। उनके लंबे समय के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा को 1 अक्टूबर को SIT (विशेष जांच दल) ने आपराधिक साजिश, हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई गवाह के बयान के बाद हुई, जिसमें आरोप लगाया गया है कि सिंगर को 'जहर दिया गया' था।

रिमांड नोट में क्या है?

52 साल के जुबीन गर्ग का 19 सितंबर को नॉर्थईस्ट इंडिया फेस्टिवल के चौथे संस्करण के दौरान सिंगापुर के लाजरस आइलैंड में यॉच आउटिंग के दौरान निधन हो गया। शुरुआती रिपोर्टों में डूबने की बात कही गई। जुबीन गर्ग के करीबी और बैंडमेट शेखर ज्योति गोस्वामी ने SIT को दिए अपने बयान (Section 175 BNSS) में आरोप लगाया कि मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और फेस्टिवल आयोजक श्यामकानू महंत ने सिंगर को को जहर दिया था और अपनी साजिश को छिपाने के लिए जानबूझकर एक विदेशी स्थल चुना। शेखर ज्योति गोस्वामी के मुताबिक, सिद्धार्थ शर्मा ने यॉट पर खुद शराब उपलब्ध कराई और आयोजकों से कहा कि वे ड्रिंक्स की व्यवस्था न करें। उन्होंने ये भी बताया कि संगर के मैनेजर ने उन्हें यॉच की किसी भी वीडियो को किसी के साथ शेयर न करने का निर्देश भी दिया था। यही नहीं, उन्होंने यॉट का नियंत्रण भी जबरन अपने हाथ में ले लिया जिससे नाव अस्थिर हो गई।

'आर्यन खान ने बॉलीवुड का उड़ाया मजाक'

हाल ही में नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के साथ शाहरुख के बड़े बेटे आर्यन खान निर्देशन की दुनिया में कदम रख चुके हैं। उनके इस पहले प्रोजेक्ट को दर्शकों और क्रिटिक्स से प्यार मिला है।

सीरीज में कॉमिक टाइमिंग, बॉलीवुड के अंदर होने वाली राजनीति और फिल्मों की दुनिया के रूढ़िवादों पर तीखी टिप्पणी ने कई लोगों का ध्यान खींचा। अब मशहूर कॉमेडियन सुनील पाल ने आर्यन की इस सीरीज पर अपनी प्रतिक्रिया दी। जिन्होंने आर्यन के इस शो को लेकर अपनी कड़ी आलोचना की है।

सुनील पाल ने क्या कहा?

'हिंदी रश' के एक पॉडकास्ट में बातचीत करते हुए सुनील पाल ने आर्यन के शो की तुलना बॉलीवुड के प्रति उनकी जिम्मेदारी के नजरिए से की। उन्होंने कहा, 'जिस बॉलीवुड ने आपके पिता, शाहरुख खान को इतना बड़ा सुपरस्टार बनाया, उसी बॉलीवुड की आलोचना आप इस तरह क्यों कर रहे हैं।' सुनील पाल का मानना है कि आर्यन ने उस उद्योग का मजाक उड़ाकर अपनी पहली फिल्म में गलती की, जिसने उनके पिता को भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा नाम बनाने में मदद की।

आर्यन खान की वेब सीरीज का स्वरूप 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में लक्ष्य, सहर बंबा, बॉबी देओल, राघव जूयाल, अन्हा सिंह, मोना सिंह और मनोज पहवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके साथ ही कई बॉलीवुड ए-लिस्ट कलाकारों ने कैमियो किया है। यह कहानी एक बाहरी व्यक्ति के संघर्ष की है, जो बॉलीवुड में खुद को स्थापित करने की कोशिश करता है और उद्योग की आंतरिक राजनीति और प्रतिद्वंद्वियों के बीच बैलेंस बनाने की जद्दोजहद करता है।

सीरीज में शाहरुख का भी बना मजाक

सीरीज में आर्यन ने अपने पिता शाहरुख खान का भी मजाक उड़ाया है, लेकिन शो में शामिल हुए कलाकारों ने किसी भी तरह की आपत्ति नहीं जताई। इसके बावजूद सुनील पाल का कहना है कि आर्यन को यह ध्यान रखना चाहिए था कि उनके पास पॉरपुलेरिटी, धन और मंच की कोई कमी नहीं थी। वो घर पर बैठकर और पांच साल इंतजार कर सकते थे और कुछ ऐसा बना सकते थे जिसे संजय लीला भंसाली भी सराहते।

बोनी कपूर की बेटी अंशुला ने साझा की सगाई की तस्वीरें

बोनी कपूर की बेटी और अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर की सगाई की तस्वीरें पहली बार सामने आई हैं। अंशुला ने खुद अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें कपूर परिवार के कई सारे प्यारे मूमेंट कैद हुए हैं। ये तस्वीरें अंशुला की गोर धने समारोह की हैं। गोर धने एक गुजराती प्री-वेडिंग समारोह है जो सगाई जैसा ही होता है। इन तस्वीरों में अंशुला के साथ पिता बोनी कपूर, भाई अर्जुन कपूर और बहनें जान्हवी व खुशी नजर आ रही हैं। साथ ही जान्हवी के कथित बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया भी परिवार के साथ इन तस्वीरों में नजर आ रहे हैं।

अर्जुन ने निभाई भाई की रस्म, पापा के साथ अंशुला ने किया डांस

अंशुला ने अपने इंस्टाग्राम पर इस समारोह की कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में बोनी और अर्जुन कपूर रोहन और अंशुला दोनों को आशीर्वाद देते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक तस्वीर में अर्जुन रोहन को टीका लगाते हुए रस्म निभा रहे हैं। एक तस्वीर में अंशुला भाई अर्जुन के साथ खड़ी हैं। इस दौरान एक तस्वीर में अंशुला बोनी कपूर के साथ डांस कर रही हैं। जबकि एक तस्वीर में अंशुला स्टेज पर पोज दे रही हैं और नीचे जान्हवी-खुशी समेत कई लोग अंशुला की तस्वीर क्लिक कर रहे हैं। इसके अलावा कई तस्वीरों में पूरा कपूर परिवार हंसता-मुस्कुराता नजर आ रहा है।

अंशुला ने मां को किया याद

इस दौरान कपूर परिवार ने बोनी कपूर की पहली पत्नी और अंशुला-अर्जुन की मां मोना को भी याद किया। एक तस्वीर में अंशुला एक कुर्सी पकड़े हुए बैठी हैं और उस पर मां मोना की एक तस्वीर का फ्रेम रखा हुआ है। एक तस्वीर में जान्हवी कपूर अंशुला की तस्वीर लेते हुए भावुक हो रही हैं।

जान्हवी के साथ नजर आए शिखर

शेयर की गई तस्वीरों में कपूर परिवार के साथ जान्हवी कपूर के कथित बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया भी नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर जिसमें पूरा कपूर परिवार एकसाथ पोज दे रहा है, उसमें शिखर पहाड़िया भी जान्हवी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

'अरे जा हट नटखट' फेम संध्या शांताराम का निधन

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर आई। मशहूर अभिनेत्री और वी। शांताराम की तीसरी पत्नी संध्या शांताराम का निधन हो गया है। उन्होंने 87 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। वह अभिनय के साथ ही अपने डांस के लिए भी जानी जाती थी। बताया जा रहा है कि संध्या शांताराम का अंतिम संस्कार शनिवार को शिवाजी पार्क स्थित वैकुंठ धाम में किया गया। महाराष्ट्र सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक मामलों के कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए यह जानकारी दी।

संध्या शांताराम की तस्वीर शेयर करते हुए आशीष शेलार ने लिखा, 'फिल्म 'पिंजरा' की प्रसिद्ध अभिनेत्री संध्या शांताराम के निधन की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने मराठी और हिंदी सिनेमा में अपने अद्भुत अभिनय और नृत्य कौशल से दर्शकों पर एक अनूठी छाप छोड़ी। फिल्म 'झनक झनक पायल बाजे,' 'दो आंखें बारह हाथ,' और खासकर 'पिंजरा' में उनकी अमर भूमिका दर्शकों के दिलों में हमेशा याद रहेगी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें!' संध्या शांताराम को मराठी और हिंदी में अपने शानदार अभिनय और कुशल नृत्य के लिए जाना जाता था। वह मशहूर फिल्मकार वी। शांताराम की तीसरी पत्नी थीं। उन्होंने अपनी दूसरी पत्नी जयश्री से तलाक लेने के एक महीने बाद ही संध्या से शादी कर ली। दोनों ने फिल्म 'पिंजरा' में साथ काम किया था।

विजय और रश्मिका की शादी की तारीख का हुआ खुलासा

उथ फिल्म इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। लंबे समय से जिन दो सितारों की लव-स्टोरी चर्चा में रही, वह अब एक नए मुकाम पर पहुंच चुकी है। जी हां, नेशनल क्रश कही जाने वालीं रश्मिका मंदाना और टॉलीवुड के सबसे चहेते सितारों में से एक विजय देवरकोंडा अब एक-दूसरे के हो चुके हैं। दोनों ने सगाई कर ली है और अब फैंस को शादी का इंतजार है।

कब बंधेंगे शादी के बंधन?

विजय देवरकोंडा की टीम ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि रश्मिका और विजय अगले साल यानी फरवरी 2026 में शादी के बंधन में बंधेंगे। हालांकि, इस बारे में खुद रश्मिका या विजय ने कोई आधिकारिक पोस्ट या बयान अभी तक साझा नहीं किया है। लेकिन नजदीकी सूत्रों ने यह खुशखबरी फैंस तक पहुंचा दी है।

सात साल पुरानी है प्रेम कहानी

रश्मिका और विजय की दोस्ती और फिर नजदीकियां साल 2018 से चर्चा में हैं, जब दोनों पहली बार फिल्म 'गीता गोविंदम' में साथ नजर आए थे। इसके बाद 2019 में आई डियर कॉमरेड ने उनके रिश्ते को और गहराई दी। ऑन-स्क्रीन उनकी केमिस्ट्री जितनी हिट रही, ऑफ-स्क्रीन उनकी बॉन्डिंग भी उतनी ही चर्चा का विषय बनी।

तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

कुल 198 हुई दर्ज, 13 शिकायतों का किया गया निस्तारण

नोएडा (चेतना मंच)। जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से शनिवार को जनपद गौतमबुद्ध नगर की तीनों तहसीलों दादरी, सदर और जेवर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 198 शिकायतें दर्ज हुई, जिनमें से 13 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही अधिकारियों द्वारा कर दिया गया।

दादरी तहसील में कार्यक्रम की अध्यक्षता मेरठ मंडल के मंडलायुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने की। उन्होंने जनता की शिकायतें स्वयं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

यहां कुल 132 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 9 का निस्तारण तत्काल किया गया। मंडलायुक्त ने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान एडीएम (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार, एसडीएम दादरी अनुज नेहरा, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सदर तहसील में जिलाधिकारी मेधा रूपम ने संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की। यहां कुल 12 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 2 का निस्तारण मौके पर ही किया गया।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों को प्राथमिकता से निपटाया जाए और आवेदकों की संतुष्टि सुनिश्चित की जाए।

कार्यक्रम से पूर्व डीएम मेधा रूपम ने 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के तहत महिलाओं की समस्याओं के समाधान हेतु स्थापित 'हेल्प एंड असिस्टेंस बूथ' का उद्घाटन किया। इस बूथ के माध्यम से महिलाएं आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, विरासत, दाखिल-खारिज, और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी सेवाएं एक ही मंच पर प्राप्त कर सकेंगी।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी, एसडीएम सदर आशुतोष गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश सहित पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

धारा 10 की आड़ में लाखों लोगों का शोषण नहीं होने देगी सपा

सड़क से लेकर विधानसभा तक किया जाएगा संघर्ष : गौरव सिंघल

नोएडा (चेतना मंच)। धारा 10 की आड़ में नोएडा प्राधिकरण हजारों लोगों का शोषण कर रहा है। लेकिन इस मुद्दे को लेकर जनप्रतिनिधि भी चुप्पी साधे हुए लोगों का उत्पीड़न देख रहे हैं। मगर समाजवादी पार्टी चुप रहने वाली नहीं है इसके खिलाफ 'हल्ला बोल' अभियान शुरू कर दिया गया है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तथा प्रमुख समाजसेवी गौरव सिंघल ने ऐलान किया है कि वे किसी भी कीमत पर लाखों आवंटियों का शोषण नहीं होने देंगे।

श्री सिंघल ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर दशहरा के दिन उन्होंने प्राधिकरण का पुतला फूंकने तथा धारा 10 नोटिस का दहन करने का ऐलान किया था, लेकिन सुबह ही भारी मात्रा में पुलिस ने उन्हें नजरबंद कर दिया ताकि वे प्राधिकरण के पुतले का दहन न कर सकें। उन्होंने कहा कि इस जनमुद्दे को लेकर समाजवादी पार्टी पीछे हटने वाली नहीं है। पुलिस तथा प्रशासन चाहे जितना भी जोर लगा ले, इसके खिलाफ हल्ला बोल अभियान जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि धारा 10 का नोटिस देकर प्राधिकरण के अधिकारी व कर्मचारी लोगों को डरा रहे हैं तथा उनसे मोटी रकम भी वसूल रहे हैं। मालूम हो कि नोएडा के सेक्टर-12, 22, 71, 19, 72, 55, 56, 15 समेत कई सेक्टरों में एक कमरे तथा दो कमरों के ऐसे हजारों मकान हैं, जहां पर निम्न-मध्यम वर्ग तथा कम आय वर्ग के लोग अपने परिवारों के साथ रह रहे हैं। अब इस वर्ग को धारा 10 की आड़ में आवंटन निरस्त करने की धमकी दी जा रही है, जिससे लाखों लोग काफी भयभीत हैं। इस मुद्दे को लेकर लोग विधायक पंकज सिंह तथा सांसद डॉ. महेश शर्मा के पास भी गए, लेकिन वहां भी कार्रवाई के नाम पर आश्वासन का झुनझुना थमा दिया गया। अभी तक धारा 10 नोटिस को हटाने के संबंध में नोएडा प्राधिकरण के शीर्ष अधिकारियों ने कोई घोषणा नहीं की है, जिससे कई लोग परेशान हैं। गौरव सिंघल ने कहा कि लाखों लोगों की परेशानी को देखते हुए समाजवादी पार्टी ने बीड़ा उठाया है कि वह धारा 10 की आड़ में लोगों का उत्पीड़न नहीं होने देगी। इसके लिए यदि जरूरत पड़ी तो सड़क से लेकर विधानसभा तक पार्टी संघर्ष करेगी तथा जरूरत पड़ने पर जेल भरो आंदोलन भी किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उन लाखों लोगों की क्या खता थी जिन्होंने किसी तरह पूंजी जोड़कर अपना एक या दो कमरे का मकान खरीदा है और जिनके परिवार बढ़ रहे हैं। यदि थोड़ा बहुत अतिक्रमण कर भी लिया है तो प्राधिकरण को मामूली जुर्माना लगाकर उसे नियमित कर देना चाहिए। लेकिन इस गंभीर मुद्दे पर न तो प्राधिकरण के शीर्ष अधिकारी कुछ कह रहे हैं और न ही यहां के जनप्रतिनिधि। मगर समाजवादी पार्टी चैन से बैठने वाली नहीं है लाखों आवंटियों को न्याय दिलाकर ही पार्टी दम लेगी।

इंडियन चिल्ड्रन एकेडमी में 'पर्सनल सेफ्टी' पर जागरूकता कार्यक्रम

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के निर्देशन एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर के नेतृत्व में महिला कल्याण विभाग द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के तहत इंडियन चिल्ड्रेन एकेडमी, पंचशील कॉलोनी में 'पर्सनल सेफ्टी' विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में थाना बिसरख की मिशन शक्ति प्रभारी तरुणा सिंह ने बच्चियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए तथा विपरीत परिस्थितियों में स्वयं को सुरक्षित रखने के उपाय बताए। साथ ही, महिला कल्याण विभाग की ओर से मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, चाइल्ड हेल्पलाइन 181, एवं वन स्टॉप सेंटर जैसी योजनाओं व सेवाओं की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर थाना बिसरख से एसआई अजमुद्दीन, कांस्टेबल सुनील व अंजू, वन स्टॉप सेंटर प्रबंधक रिंकी रानी, स्कूल प्रबंधक, प्रधानाचार्य तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

महिला कल्याण विभाग द्वारा जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बच्चों, विशेषकर बालिकाओं में आत्मविश्वास, सुरक्षा जागरूकता और आत्मनिर्भरता की भावना को सशक्त किया जा सके।

नोएडा प्राधिकरण ने चलाई एन्टी प्लास्टिक ड्राईव

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा को स्वच्छता सर्वेक्षण में पहले स्थान पर लाने के लिए नोएडा प्राधिकरण द्वारा अनेक कार्य किए जा रहे हैं। खासकर शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के लिए नोएडा प्राधिकरण द्वारा अभियान चलाया जा रहा है तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों पर जुर्माना भी लगाया जा रहा है।

सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम के लिए नोएडा प्राधिकरण के इंदु प्रकाश सिंह (जन स्वा0) एवं गौरव बंसल, परियोजना अभियन्ता (जन स्वा0-1) के नेतृत्व में रोक्टर-34 में एवरग्रीन मार्केट, ओम डेयरी और अमलतश मार्केट में एन्टी प्लास्टिक ड्राईव चलायी गयी, जिसमें सभी लोगों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक इस्तेमाल न करने के लिए प्रोत्साहित किया गया एवं सिंगल यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वाले दुकानदारों से तकरीबन 50 किग्रा0 प्लास्टिक जब्त की गयी। साथ ही साथ समस्त दुकानदारों को चेतावनी दी गयी कि नौएडा क्षेत्र में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के इस्तेमाल पर आर्थिक दण्ड का प्रावधान है।

बाजार में सभी नौएडावासियों से अनुरोध किया कि जब भी बाजार जाएं तो कपडे का थैला साथ लेकर जाएं एवं नौएडा को प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने में नौएडा प्राधिकरण की सहायता करें।

निरीक्षण के दौरान श्रीमति पारूल रौथाण, प्रोजेक्ट मैनेजर, (मैसर्स गाईडेड फॉर्च्यून समिति), अभिज्ञानम, IEC E&pert (मैसर्स गाईडेड फॉर्च्यून समिति), मैसर्स गाईडेड फॉर्च्यून समिति के सदस्य एवं स्थानीय पुलिस उपस्थित रहे।

जेईई, नीट और ओलंपियाड के विजेताओं को एमिटी ने किया सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी इंस्टीटयूट फॉर कंपटिटिव एक्जामिनेशन द्वारा युवा शिक्षार्थियों को सशक्त बनाने तथा दृढ़ता, गरिमा और दृढ़ संकल्प के मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए जेईई, नीट और ओलंपियाड विजेताओं का सम्मान समारोह एमिटी विवि. में आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में 90 छात्रों को सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में डीआरडीओ की उत्पादन समन्वय और सेवा संपर्क की महानिदेशक एवं वैज्ञानिक डा चंद्रीका कौशिक ने संबोधित करते हुए कहा कि सफलता अचानक प्राप्त नही होती बल्कि इसके पीछे आपकी घंटो की मेहनत, नींद का त्याग, आपके शिक्षकों और अभिभावकों का मार्गदर्शन है। सबसे पहले स्वंय पर विश्वास करें और इसके बाद लक्ष्य तय करें और लक्ष्य को हासिल करने का पूर्ण प्रयास करें। आज हम भारत के युवाओं के उत्साह का सम्मान कर रहे है जो उर्जा से भरा हुआ है और अपने लक्ष्य एंव उददेश्य के प्रति समर्पित है। उन्होनें कहा कि यह परीक्षा, रैंक, मेंडल हासिल करना आखरी मंजिल नही है, एक लक्ष्य हासिल करते ही दूसरा लक्ष्य सामने आ जायेगा इसलिए इस यात्रा का आनंद ले। डा. कौशिक ने छात्रों को स्वंय का उद्यम प्रारंभ करने, नवाचार करने के लिए प्रेरित किया।

एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष व प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. अशोक कुमार चौहान ने कहा कि एमिटी ने सदैव छात्रों को राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार किया है और हमें पूर्ण विश्वास है कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में यह छात्र सहायक होगे। हमें अपने हर छात्र पर गर्व है जिन्हें ना केवल शिक्षा प्रदान करते है बल्कि उनके अंदर मानव मूल्यों को भी विकसित करते है जिससे वे एक सफल और नेक नागरिक बने।

एमिटी विद्यालय समूह की चेयरपरसन डॉ. अमिता चौहान ने कहा कि आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है जब हम अपने छात्रों की उपलब्धियों का उत्सव मना रहे है। हमारे छात्रों ने इंजीनियरिंग, मेडिकल या ओलंपियाड में जिस मुकाम को हासिल किया है उसके पीछे छात्र और शिक्षकों की मेहनत, रणनीती और मिल कर कार्य करने समावेश है। हम देश को कुशल, प्रतिभावान, समर्पित छात्र और नागरिक देना चाहते है जो देश को आगे बढ़ाने में सहयोग करे।

यूजीसी के संयुक्त सचिव डा मधुकर मारूती वावरे, सीएसआरआर मुख्यालय की टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट डायरेक्टोरेट की प्रमुख डा विभा मल्होत्रा साहनी, इग्नू रिजनल सेंट के उप निदेशक डा अमित कुमार श्रीवास्तव, आईसीएमआर के उप महानिदेशक (प्रशासन) जगदीश राजेश व एमिटी इंस्टीटयूट फॉर कंपटिटिव एक्जामिनेशन की निदेशक श्रीमती मीनाक्षी रावल ने भी छात्रों को संबोधित किया।

अमेरिकी टैरिफ का बहाना बनाकर श्रमिकों को नौकरी से निकाला

नोएडा (चेतना मंच)। गैर कानूनी तरीके से कर्मचारियों को नौकरी से निकाले जाने के खिलाफ सेक्टर- 8 में स्थित मैसर्स- वाईआर क्राफ्ट पर सीटू के बैनर तले श्रमिकों ने धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन को सीटू नेता रामसागर, गंगेश्वर दत्त शर्मा, राम स्वारथ ने संबोधित किया।

सीटू जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि मैसर्स- वाईआर क्राफ्ट्स सेक्टर- 8, नोएडा के प्रबंधकों ने गैरकानूनी तरीके से 15 श्रमिकों को अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने की वजह से काम न होने का हवाला देते हुए नौकरी से निकाल दिया। जिसकी शिकायत यूनियन द्वारा कंपनी प्रबंधकों और उपश्रमायुक्त गौतमबुद्धनगर से की गई लेकिन प्रबंधकों ने ना तो श्रमिकों को काम पर वापस लिया और ना ही उनका भुगतान किया है। जिसके विरोध में श्रमिकों ने कंपनी के गेट पर सीटू के बैनर तले धरना प्रदर्शन शुरु किया है जो समस्याओं के समाधान होने तक जारी रहेगा।

धरना प्रदर्शन में श्रमिक महेश चंद, शिवनंदन यादव, विजय, जितेंद्र कुमार, किशन गुप्ता, शांति देवी, राजन, पंकज आदि मौजूद रहे।